दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 250

ग्वालियर, सोमवार 30 मई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में 75 सीटें जीतेंगे: सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यसमिति की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में आठ वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर बधाई दी है। बैठक में अपने संबोधन

में उन्होंने 2024 के आम चुनाव में यूपी में 75 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। सीएम योगी ने कहा कि 2024 के संकल्प को साकार करने के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से प्रयास शुरू करना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल मे सेवा कार्य, कोरोना प्रबंधन के साथ केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को पहुंचाने का लाभ यूपी के चुनाव में मिला है। अब 2024 के लोकसभा चुनाव की जमीन अभी से तैयार करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी अब पीएम मोदी के विजन के अनुरूप नई अंगड़ाई ले रही है। पहले प्रदेश में लाउड स्पीकर दंगे अराजकता और तनाव का कारण बनते थे। यह भाजपा सरकार के सुशासन का ही परिणाम है कि 70 हजार लाउडस्पीकर धार्मिक स्थलों से हटाए गए हैं या उनकी आवाज को परिसर तक ही सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने संकल्प पत्र की घोषणा के अनुरूप हर परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार देने की कार्रवाई को आगे बढ़ाया है।

नेपाल में तारा एयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त

नेपाल ने अब तक नहीं की आधिकारिक घोषणा, खराब मौसम की वजह से घटनास्थल पर लैंड नहीं कर सका रेस्क्यू के लिए भेजा गया हैलीकाप्टर

नई दिल्ली। नेपाल में एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूटने के बाद तारा एयर का एक विमान हादसे का शिकार हो गया है। मुस्तांग के लार्जुंग में इस विमान को दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में देखा गया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी है कि वहां उन्होंने आग की तेज लपटें उठती देखी हैं। इस विमान के रेस्क्यू के लिए एक हैलीकाप्टर भेजा गया था, लेकिन खराब मौसम की वजह से वह घटनास्थल पर लैंड नहीं कर सका। इसके बाद सेना और पुलिस की एक टीम को जमीनी मार्ग से भेजा गया है।

उल्लेखनीय है कि नेपाल के तारा एयर के विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से रविवार संपर्क टूट गया था। इस ट्विन इंजन एयरक्राफ्ट पर चालक दल के सदस्यों सहित कुल 22 लोग सवार थे। यह फ्लाइट पोखरा से जॉमसम जा रही थी। खराब मौसम के कारण रेस्क्यू के लिए भेजे गए हेलीकॉप्टर को वापस पोखरा लौटना पड़ा। सेना का हेलीकॉप्टर भी दुर्घटना के संभावित स्थान तक नहीं पहुंच पाया। इसके बाद नेपाली सेना और पुलिस की विशेष टीम को पैदल दुर्घटना के स्थान के लिए रवाना किया गया है। विमान ने रविवार सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर पोखरा से उड़ान भरी थी। विमान को 10 बजकर 20 मिनट पर अपने गंतव्य पर लैंड करना था, लेकिन इसी बीच इसका एटीसी से संपर्क टूट गया। नेपाल में भारतीय दूतावास के अधिकारी नेपाल के अधिकारियों से संपर्क में है। अभी तक दुर्घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। भारत की नजर पूरे घटनाक्रम पर। इस हादसे को लेकर काठमांडू में भारतीय दूतावास ने एक इमरजेंसी हॉटलाइन नंबर जारी किया है। इस विमान के यात्रियों के परिजन +977-9851107021 पर कॉल करके नेपाली विमान के संबंध में जारी ले सकते हैं। नेपाल के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक लापता विमान में 4 भारतीय और 3 जापानी नागरिक सवार थे, जबकि बाकी लोग नेपाल के हैं। विमान में चालक दल सहित कुल 22 यात्री सवार थे। तारा एयर के प्रवक्ता सुदर्शन बरतौला ने बताया कि इस फ्लाइट पर कैप्टन प्रभाकर प्रसाद घिमिरे, सह-पायलट उत्सव पोखरेल और एयर होस्टेस किसमी थापा सवार थे।

जॉमसोम हवाई अड्डे पर एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी ने कहा है कि उन्होंने जोमसोम के घासा में एक तेज आवाज सुनी। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गोरखपुर जा रहे विमान की खिड़की में दिखी दरार तो मुंबई वापस लौटाई स्पाइसजेट की फ्लाइट

मुंबई। 28 मई को स्पाइसजेट के बोइंग 737 विमान को मुंबई से गोरखपुर जाना था। उड़ान के दौरान विमान की खिड़की में दरार दिखाई दी। विमान के पायलट ने विमान की खिड़की में दरार देखते ही हवाई यातायात नियंत्रक को इसकी जानकारी दी। इसके बाद विमान को वापस मुंबई ले जाने का फैसला किया गया। हवाई यातायात नियंत्रक को जानकारी देने के बाद मिले कमांड पर विमान को सुरक्षित तरीके से मुंबई हवाई अड्डे पर उतार दिया गया। मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यात्रियों के आक्रोश को देखने के बाद एयरलाइंस की ओर से सफाई दी गई।

यूक्रेन के गांव में महीनों बाद भी घट नहीं रहा बाढ़ का पानी

रूसी सेना को रोकने के लिए तोड़ा गया था बांध

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव की ओर बढ़ रहे सैनिकों को रोकने के लिए तोड़े गए बांध का नतीजा अब तक दमिदीव में दिख रहा है। यहां के गांव में स्थित करीब पचास घर बाढ़ के कारण

आधा डूबे हुए हैं और यह हालात पिछले एक महीने से है। शनिवार को देर शाम यहां के गवर्नर ओलेक्सी कुलेबा ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी सेना ने फरवरी में इरपिन नदी पर बने बांध को ध्वस्त कर दिया जिसके कारण गांव में पानी घुस गया। यहां के घर और खेत-खलिहान पानी में डूब चुके हैं। साथ ही गांव के आस-पास का हजारों एकड़ पानी में डूबा हुआ है। हालांकि इससे कीव में रूसी सैनिकों को घुसने से रोकना आसान हो गया। टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर कुलेबा ने पोस्ट लिखा ?कि इस वक्त दमिदीव के गांव में पचासों घर पानी में डूबे हुए हैं। लोग हालात से वाकिफ हैं। हम इस समस्या का समाधान करने में जुटे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार रूसी हमले के तुरंत बाद गांव से अधिकांश लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया गया था। उल्लेखनीय है कि फरवरी अंत में रूस ने यूक्रेन पर हमला बोल दिया था और अब पूर्वी यूक्रेन के शहरों में रूस और यूक्रेन की सेनाओं और लड़ाकों के बीच भीषण लड़ाई छिड़ी हुई है। डोनबास के सबसे बड़े और रणनीतिक रूप महत्वपूर्ण शहर सीविरोडोनेस्क में रूसी सेना के घुसने की सूचना है। इलाके के गवर्नर ने शहर की 90 प्रतिशत इमारतों के बर्बाद होने की जानकारी दी है।

ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी पर लगाया जमीन के घोटाले का आरोप

वाराणसी। ज्ञानवापी को लेकर सुनवाई से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया है, जिसमें मस्जिद की जमीन के घोटाले का दावा किया गया है। आरोप लगाने वाले शख्स मुस्लिम समाज के ही बुनकर मुख्तार अहमद अंसारी हैं। मुख्तार अंसारी ने अंजुमन इंतजामिया कमेटी पर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा 139 साल पहले खसरे के मुताबिक जमीन 31 बिस्वा थी, मगर मौके पर सिर्फ 10.72 बिस्वा ही बाकी बची है, सवाल यह है कि बाकी 20 बिस्वा ज़मीन कहां गई? बुनकर मुख्तार अंसारी ने कहा ज्ञानवापी मस्जिद की जमीन को लेकर कोर्ट में पहले से मुकदमे चल रहे थे। मगर कभी हमने हस्तक्षेप नहीं किया। सर्वे की रिपोर्ट आने के बाद जब उसकी नकल के आधार पर हमने जांच-पड़ताल की तो पाया कि मस्जिद की जमीन महज 14000 वर्गफीट के आसपास आती है। इसका मुआयना शुरू किया। पहले नगर निगम गए फिर वक्फ बोर्ड गए, इसके बाद रेवेन्यू ऑफिस गए, और 1883 का नक्शा हम लोगों ने निकलवाया। जमीन के कागजों की नकल बहुत ही मुश्किल से मिली थी।

देश ने यूनिकॉर्न की सेंचुरी पूरी कर ली यह भारतीयों के लिए गर्व की बात : मोदी

मन की बात में पीएम ने की चारधाम यात्रा के दौरान गंदगी नहीं फैलाने का किया आव्हान

नई दिल्ली। स्वच्छता को लेकर विशेष आग्रही देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 89वें एपिसोड में चारधाम यात्रा के दौरान गंदगी न फैलाने का आह्वान श्रद्धालुओं से किया है। पीएम ने कहा कि देश ने यूनिकॉर्न की सेंचुरी पूरी कर ली है, यह भारतीयों के लिए गर्व की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले समय में भारतीय स्टार्टअप उड़ान भरेगा। पीएम मोदी ने कहा, 'इस महीने 5 तारीख को देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 के आंकड़े तक पहुंच गई है। इन यूनिकॉर्न का कुल वैल्यूएशन 330 बिलियन डॉलर, यानी, 25 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है।हमारे कुल यूनिकॉर्न में से 44 पिछले साल बने थे। इस वर्ष के 3-4 महीने में ही 14 और नए यूनिकॉर्न बन गए। इसका मतलब यह हुआ कि इस महामारी के दौर में भी भारतीय स्टार्टअप्स वेल्थ और वैल्यू क्रिएट करते रहे हैं।'

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यूनिकॉर्न्स विविधतापूर्ण हैं। ये ई-कॉमर्स, फिन-टेक, एड-टेक, बायो-टेक जैसे कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। आज, भारत का स्टार्टअप्स इकोसिस्टम सिर्फ बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है, छोटे-छोटे शहरों और कस्बों से भी उद्यमी सामने आ रहे हैं। देश की इस सफलता के पीछे, देश की युवा-शक्ति, देश के टैलेंट और सरकार, सभी मिलकर के प्रयास कर रहे हैं, हर किसी का योगदान है, लेकिन, इसमें एक और बात महत्वपूर्ण है, वो है, स्टार्ट-अप वर्ल्ड में राइट मॉनिटरिंग, यानी, सही मार्गदर्शन। हमारे देश में कई सारी भाषा, लिपियां और बोलियों का समृद्ध खजाना है। अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग पहनावा, खानपान और संस्कृति ये हमारी पहचान है। यह विविधता एक राष्ट्र के रूप में हमें अधिक सशक्त करती है, एकजुट रखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा कि कुछ लोगों द्वारा केदारनाथ में फैलाई जा रही गंदगी से श्रद्धालु दुखी हैं। कई लोगों ने गंदगी के ढेर के फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं।

खास खबर

नाइजीरिया में चर्च में मची भगदड़ में सहायता मांगने आए 31 लोगों की मौत, दर्जनों घायल

अबुजा। दक्षिणी नाइजीरिया के एक गिरजाघर में आयोजित एक चैरिटी कार्यक्रम के दौरान मची भगदड़ में 31 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम जरूरतमंदों को उम्मीद देने के मकसद से आयोजित किया गया था। रीवर्स राज्य में पुलिस प्रवक्ता ग्रेस इरिंज-कोको के अनुसार किंग्स असेंबली पेनेटेकोस्टल चर्च' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कई लोग शामिल हुए थे, जो मदद मांग रहे थे। कार्यक्रम के दौरान ही भगदड़ मच गई। कई पीड़ित गिरजाघर द्वारा आयोजित परोपकारी वार्षिक कार्यक्रम शॉप फॉर फ्री से फायदा उठाने आए थे। नाइजीरिया में ऐसे कार्यक्रम अक्सर होते रहते हैं। यहां की आठ करोड़ से अधिक आबादी गरीबी में जी रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया शनिवार को परोपकारी कार्यक्रम सुबह नौ बजे शुरू होना था, लेकिन दर्जनों लोग सुबह पांच बजे ही पहुंच गए। किसी तरह उन्होंने प्रवेश द्वार तोड़ दिया, जिस पर ताला लगा था। घटनास्थल के वीडियो में लाभार्थियों के लिए रखे कपड़े और जूते दिख रहे हैं। वीडियो में डॉक्टर और आपात कर्मी कुछ घायलों का इलाज करते दिख रहे हैं।

आजम खान को सांस लेने में परेशानी, दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में कराया भर्ती

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता विधायक और पूर्व मंत्री आजम खान का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ गया है। उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक मिल रही जानकारी के अनुसार उन्हें सांस लेने में तकलीफ है। डॉक्टरों ने कई जांचें कराई हैं। डॉक्टरों की निगरानी इलाज चल रहा है। लंबे समय के बाद जेल से छूटे आजम खान की तबीयत शनिवार देर रात खराब हो गई। इसके बाद उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें दिल्ली लाया। करीब रात 3ः00 बजे उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। गंगाराम हॉस्पिटल में उनकी कई जांच की गई। बताया जा रहा है आजम खान जेल से छूटने के बाद कई बीमारियों से जूझ रहे हैं।

टीकाकरण अभियान में भारत की कामयाबी से लेना चाहिए सबक : बिल गेट्स

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण को मात देने के लिए इन दिनों भारत में वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। हर रोज़ लाखों लोगों को कोरोना से बचाव के लिए टीके लगाए जा रहे है। टीकाकरण अभियान को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स ने भारत की जम कर तारीफ की है। उन्होंने कहा जिस बड़े स्तर पर इस अभियान को चलाया जा रहा है उससे दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान बिल गेट्स से स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मुलाकात की थी। मनसुख मंडाविया ने इस मुलाकात की ट्वीट कर जानकारी दी थी। बिल गेट्स ने इसका जवाब देते हुए भारत की तारीफ की है। उन्होंने लिखा मनसुख मंडाविया से मिलकर अच्छा लगा। हमने ग्लोबल हेल्थ को लेकर चर्चा की। बिल गेट्स ने कहा भारत ने वैक्सीनेशन को लेकर जिस तरह का सफल आयोजन किया और जिस प्रकार इसमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है, इससे दुनिया को सीखने की जरूरत है। पिछले हफ्ते 25 मई को मनसुख मंडाविया ने बिल गेट्स से मुलाकात की थी।

मानसून का इंतजार खत्मा, केरल में से 3 दिन पहले मानसून की रिमझिम

नई दिल्ली। भीषण गर्मी से जूझ रहे भारत में मानसून की प्रतीक्षा समाप्त हो गई है। मौसम विभाग ने बताया दक्षिणी-पश्चिमी मानसून ने देश में दस्तक दे दी है, रविवार को विभाग ने इसकी पुष्टि की। विभाग ने ट्वीट करके बताया कि आमतौर पर दक्षिण-पश्चिमी मानसून 1 जून को देश में आता है, लेकिन इस बार इसने 29 मई को ही दस्तक दे दी है। इस तरह से ये अपनी सामान्य तारीख से तीन दिन पहले ही केरल में आ चुका है। आईएमडी ने एक पखवाड़े पहले बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात असानी के आधार पर पूर्वानुमान लगाया था कि इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई तक केरल तट से टकरा सकता है। लेकिन इसके आने में दो दिन की देरी हुई। फिर भी ये आमतौर पर होने वाली मानसून की एंट्री से तीन दिन पहले आ गया है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने बताया कि मानसून के लिए कर्नाटक, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के अधिक से अधिक हिस्सों को कवर करने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं। उन्होंने बताया कि देश उत्तर-पश्चिम व मध्य भाग और दिल्ली में अगले

5 दिनों तक हीटवेव जैसी स्थिति नहीं होगी। बता दें कि किसानों से लेकर सरकार तक सभी को मानसून के आने का इंतजार रहता है। वजह ये है कि देश की लगभग 65 फीसदी खेती-बाड़ी मानसूनी बारिश पर निर्भर है। जहां सिंचाई के साधन हैं, वहां भी मानसूनी बारिश जरूरी है। पर्याप्त बारिश न होने से नदियों झीलों में भी पानी की कमी हो जाती है। इस बार देश में मानसून का इसलिए भी बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि प्री-मानसून बारिश अनुमान से काफी कम हुई है।

देश के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में 66 फीसदी तक कम बारिश हुई, मध्य भारत में ये आंकड़ा 39 प्रतिशत का रहा। इस बार गर्मी ने भी समय से काफी पहले अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। इसकी वजह से मार्च से ही लू शुरूआत हो गई थी। मार्च में इस बार इतनी गर्मी पड़ी कि 122 साल का रिकॉर्ड टूट गया। इतनी गर्मी की वजह से फसलों पर भी बुरा असर पड़ा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में बताया था कि इस बार भारत में गेहूं की फसल में 7 से 8 फीसदी तक की कमी होने की आशंका है। देश में गेहूं की आपूर्ति बनाए रखने के लिए सरकार पहले ही इसके निर्यात पर बैन लगा चुकी है। 2018 के बाद ये पहला मौका है, जब देश में मानसून 29 मई को पहुंचा है। 2021 में मानसून की एंट्री काफी देरी से 3 जून को हुई थी। उससे पहले 2019 में तो मानसून 8 जून को आया था।

छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने प्रियंका गांधी को राज्य के कोटे से राज्यसभा भेजने की उठाई मांग

नई दिल्ली। संसद के उच्च सदन राज्यसभा की जून-जुलाई में 57 सीटें रिक्त होने जा रही है और उसके लिए प्रत्याशियों को लेकर कांग्रेस में मंथन का दौर जारी है। उम्मीदवारों की सूची फाइनल होने में देरी से नेताओं की धड़कनें तेज हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी नाम फाइनल करने के लिए देर रात तक पार्टी मैनेजरों के साथ मीटिंग्स में जुटी रहीं। इस बीच, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रियंका गांधी को राज्यसभा भेजने की मांग फिर उठाई है। पिछले चुनावों में कांग्रेस पार्टी प्रियंका की उम्मीदवारी का प्रस्ताव नामंजूर कर चुकी है। देखना होगा, इस बार कांग्रेस का स्टैंड बदलता है या नहीं।

आगामी 10 जून को राज्यसभा की 57 सीटों के लिए चुनाव होने हैं। ये सीटें जून-जुलाई में खाली हो रही हैं। सबसे ज्यादा 11 सीटें यूपी में खाली होनी हैं। महाराष्ट्र-तमिलनाडु में छह-छह सीटें, बिहार में पांच, आंध्र कर्नाटक और राजस्थान में चार-चार, मध्य प्रदेश और ओडिशा में तीन-तीन, पंजाब, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, हरियाणा, झारखंड में दो-दो और उत्तराखंड में एक सीट पर चुनाव होने हैं। नामांकन की आखिरी तारीख 31 मई है। इससे पहले पार्टियों को अपने प्रत्याशी फाइनल करने हैं। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की कुल 5 में से 2 सीटें 29 जून को खाली हो रही हैं। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस दो सीटें मिलने की उम्मीद लगा रही हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के अलावा राजस्थान ही है, जहां कांग्रेस राज्य से बाहर के नेताओं को एडजस्ट कर सकती है। छाया वर्मा को छत्तीसगढ़ से फिर राज्यसभा भेजा जा सकता है। वहीं दूसरी सीट के लिए प्रियंका गांधी के नाम की सीएम भूपेश बघेल ने पैरवी की है। अगर प्रियंका इनकार करती हैं तो अजय माकन के नाम पर विचार हो सकता है। राजस्थान से पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला को उतारा जा सकता है। झारखंड में कांग्रेस की सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने घोषणा की थी कि वह दोनों सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। लेकिन शनिवार की रात कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और हेमंत सोरेन के बीच बातचीत के बाद माना जा रहा है कि पार्टी को झारखंड से भी राज्यसभा की एक सीट मिल सकती है।

देशभर के लोग पिछली सरकारों से मदद की मांग करते रहे लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया: गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली। कोविड टीकाकरण केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपनी गुजरात यात्रा के दूसरे दिन आज पंचामृत डेयरी, गोधरा में अनेक विकास कार्यों का शुभारंभ और लोकार्पण किया। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पीडीसी बैंक के प्रधान कार्यालय की नई बिल्डिंग का उद्घाटन, 3 मोबाइल-ॠरूवैन का शुभारंभ, 250 वर्गमीटर में बने 30 क्यूबिक मीटर प्रति घंटे की क्षमता वाले ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन, पंचामृत बटर कोल्ड स्टोरेज एवं मालेगांव (महाराष्ट्र) स्थित डेयरी प्लांट का लोकार्पण और उज्जैन (मध्य प्रदेश) में नए स्थापित होने वाले डेयरी प्लांट का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। अमित शाह ने कहा कि आज के पांचों कार्यक्रम 3 ज़िलों (पंचमहल, मालेगांव और उज्जैन) के सहकारी आंदोलन को मजबूत करने वाले हैं। आज पंचमहल, महिसागर और दाहोद जिले के 1598 दूध मंडियां लगभग 73 हजार लीटर दूध उत्पादन का मजबूत संघ बनकर

हमारे सामने खडे हैं। 18 लाख लीटर दूध और 300 करोड रूपए का टर्नओवर एक बहुत बडी सफलता है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि सालों से सहकारी आंदोलन के साथ जुडे हुए देशभर के लोगों की मांग थी कि समय के साथ-साथ सहकारी आंदोलन को जितनी मदद की जरूरत थी वो मिले और इसके लिए सहकार से जुड़े लोग पिछली सरकारों से मांग करते रहे लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। आज मुझे ये कहते हुए गर्व होता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1 साल पहले पहली बार सहकारी आंदोलन के लिये केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय बनाकर इसे प्राथमिकता देने का काम किया।

न्यूज़ ट्रैक....

टेबल टेनिस : अंकोलिका, प्रिशा व अवनी बने राष्ट्रीय विजेता -

इन्दौर । टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में म.प्र. टेबल टेनिस संगठन द्वारा आयोजित 83वीं राष्ट्रीय कैडेट एवं सब-जूनियर टेबल टेनिस स्पर्धा में बालिका वर्ग के विभिन्न आयु वर्गों में अंकोलिका चक्रवर्ती (बंगाल), प्रिशा गोयल (दिल्ली) एवं अवनी त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश) ने खिताबी सफलता अर्जित की। अभय प्रशाल में खेली जा रही राष्ट्रीय स्पर्धा के बालिका अंडर-11 आयु वर्ग में अंकोलिका चक्रवर्ती (बंगाल) ने के. तनिष्का (कर्नाटक) को 12-10, 11-5, 11-4 से पराजित कर खिताब जीता। सेमीफयनल में अंकोलिका ने अहोना रेय (बंगाल) को 3-1 से व तनिष्का ने रजनी साह (बंगाल) को 3-2 से पराजित किया। बालिका अंडर-13 आयु वर्ग के अंतिम मुकाबले में प्रिशा गोयल (दिल्ली) ने इक्षिका उमटे (महाराष्ट्र) को 12-10, 13-11, 11-6, 11-4 से हराकर खिताब जीता। सेमीफायनल में प्रिशा ने अविशा कर्मकार (बंगाल) को 4-3 से व इक्षिका उमटे ने प्रथा पंवार (गुजरात) को 4-1 पराजित किया। बालिका अंडर-15 आयु वर्ग के फायनल मुकाबले में अवनी त्रिपाठी (उ.प्र.) ने माजी सयानिका (दिल्ली) को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 9-11, 11-8, 12-10, 11-9, 8-11, 11-8 से पराजित कर खिताब जीता। सेमीफायनल में अवनी त्रिपाठी ने अविशा कर्मकार (बंगाल) को 4-1 से, सयानिका ने अनन्या मुरलीधरन (टी.टी.टी.ए) को पराजित किया।

आईपीएल के 15 वें सत्र में बने कई रिकार्ड

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में कई नये रिकार्ड बने है। यह सत्र बड़े शॉट के लिए याद रखा जाएगा। इस सत्र में 1000 से अधिक छक्के लगे हैं। वहीं अब तक 8 शतक लगे हैं। इससे पहले साल 2016 में सबसे अधिक 7 शतक लगे थे। इसके अलावा 2008, 2011 और 2012 में भी 6-6 शतक लगे थे। इस सत्र की बात की जाए, तो राजस्थान से खेल रहे इंग्लैंड के ओपनर बल्लेबाज जोस बटलर ने सबसे अधिक 4 शतक लगाए हैं। इसी के साथ ही बटलर एक सत्र में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने भी इस सत्र में 2 शतक लगाये हैं जबकि लखनऊ के क्विंटन डिकॉक और आरसीबी के रजत पाटीदार ने एक-एक शतक लगाया है। इस सत्र में 2 गेंदबाजों पर 30 या उससे अधिक छक्के लगे हैं। यह पहली बार हुआ है। आरसीबी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर सबसे अधिक 31 छक्के लगे। वहीं आरसीबी से ही खेल रहे लेग स्पिनर वानिंदु हसारंगा पर भी 30 छक्के लगे। इससे पहले साल 2018 में ड्वेन ब्रावो पर सबसे अधिक 29 छक्के लगे थे।

पेरिस में चैम्पियंस लीग फुटबॉल फाइनल में जीत के बाद उत्साहित रियल मैड्रिड के खिलाड़ी।

हरमनप्रीत की सुपरनोवाज ने तीसरी बार जीता विमेंस टी-20 चैलेंज

रोमांचक फाइनल मुकाबले में वेलोसिटी टीम को 4 रन से हराया

पुणे। सुपरनोवाज और वेलिसिटी के बीच खेले गए विमेंस टी-20 चैलेंज के फाइनल मुकाबले में सुपरनोवाज ने वेलोसिटी को रोमांचक मैच में 4 रन से हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली सुपरनोवाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाए, जिसके जवाब में वेलोसिटी की टीम 8 विकेट खोकर 161 रन ही बना सकी। आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे पर सिर्फ 12 रन ही बने।

डिएंड्रा डॉटिन को फाइनल में 44 गेंदों 66 रनों की मैच विनिंग पारी और पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। सुपरनोवाज की टीम टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी बार चैंपियन बनी। ये टूर्नामेंट का चौथा एडिशन था।

फाइनल के दबाव वाले मुकाबले में 166 रनों के टारगेट का पीछा कर रही वेलोसिटी की टीम मैच के शुरू में चेज में नजर ही नहीं आई। 2 ओवर में 29 रन बनाकर उसकी ओपनर्स ने तेज शुरुआत तो की, पर तीसरे ओवर की पहली गेंद पर शेफाली वर्मा के आउट होने के बाद पूरी पारी बिखर गई। शेफाली ने 8 गेंदों में 15 रन बनाए। इसके बाद यस्तिका भाटिया भी अगले ओवर में 9 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हो गई। इसके बाद टीम को लगातार झटके लगते रहे। पिछले मैच में शानदार पारी खेलने वाली किरण नवगिरे 13 गेंदों में बिना खाता खोले आउट हुई। दूसरे छोर पर लगातार गिरते विकटों के बीच लॉरा वोल्वार्ट ने 40 गेंदों में 65 रनों की पारी खेली पर वे टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकी। मैच के आखिरी ओवरों में सिमरन बहादुर ने 10 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के की सहायता से 20 रन बनाए पर टीम हार गई। सुपरनोवाज के लिए एलाना किंग ने 3 विकेट लिए। सोफी और डोटिन को 2-2 विकेट मिले। पूजा वस्त्राकर को एक सफलता मिली।

इससे पूर्व टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करनी उतरी सुपरनोवाज की शुरुआत शानदार रही। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में उसके दोनों ओपनर्स ने शानदार खेल दिखाते हुए पहले विकेट के लिए 73 रन जोड़े। 73 रन के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुई प्रिया पूनिया ने 29 गेंदों में 28 रन की धीमी पारी खेली, पर दूसरे छोर पर वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन ने तेजी से रन बनाए। डिएंड्रा डॉटिन ने 15वें ओवर में आउट होने से पहले 44 गेंदों 1 चौके और 4 छक्कों की सहायता से 62 रनों की पारी खेली। उन्होंने पूनिया ने आउट होने के बाद क्रीज पर आई कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ 36 गेंदों में 58 रन जोड़े। डिएंड्रा डॉटिन ने खेली 44 गेंदों में 62 रनों की शानदार पारी। उन्हे प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

एक समय 15 ओवर में 131/2 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में दिख रही सुपरनोवाज की पारी डिएंड्रा डॉटिन के आउट होने के बाद ल?ख?ा गई। डॉटिन के बाद क्रीज पर आई पूजा वस्त्राकर 5 रन बनाकर सस्ते में आउट हो गई। इसके बाद 29 गेंदों में 43 रन बनाकर खेल रही हरमनप्रीत कौर भी अगले ही ओवर में केट क्रॉस का शिकार बन गई, और सुपरनोवाज के ब? फिनिश की उम्मीद खत्म हो गई।

गुजरात को अश्विन ओर चहल से सावधान रहना होगा

अहमदाबाद । आईपीएल के 15 वें सत्र में रविवार को होने वाले राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के खिताबी मुकाबले में राजस्थान के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल गुजरात टाइटंस की राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। गुजरात का यह पहला आईपीएल सत्र है जबकि राजस्थान रॉयल्स ने एक बार यह खिताब जीता है। ऐसे में अब वह दूसरी बार खिताब जीतना चाहेगी। उसके पास अश्विन और चहल जैसे गेंदबाज हैं जिन्हें खेलना गुजरात के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। राजस्थान के आईपीएल फाइनल खेलने में इस जोड़ी की अहम भूमिका रही है। चहल इस सीजन में भले ही पहली बार राजस्थान से खेल रहे हैं पर इसका उनके प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने अब तक खेले 16 मुकाबले में कुल 26 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं। चहल ने इस सीजन में एक बार चार और एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। चहल की तरह ही अश्विन ने भी राजस्थान के लिए अच्छी गेंदबाजी की है। अश्विन ने 16 मैच में 12 विकेट लिए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 7.35 रहा है। राजस्थान के गेंदबाजों ने इस सीजन में अब तक कुल 94 विकेट लिए हैं। इसमें से 38 विकेट चहल और अश्विन की जोड़ी लिए हैं। यानी टीम के लिए आधे से कुछ अधिक विकेट इसी जोड़ी ने लिए हैं। ऐसे में अगर गुजरात टाइटंस को डेब्यू सीजन में खिताब जीतना है तो इस जोड़ी से बचकर रहना होगा।

पंड्या , मिलर राजस्थान पर पड़े हैं भारी

अहमदाबाद । आईपीएल में रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या राजस्थान रॉयल्स की राह में बाधा बन सकते हैं। पंड्या अब तक इस सत्र में राजस्थान के खिलाफ बल्लेबाजी में बेहद सफल रहे हैं। अब तक हुए दोनो ही मुकाबलों में पंड्या की अच्छी बल्लेबाजी से गुजरात को जीत मिली है।लीग राउंड में मुंबई में खेले गए मैच में गुजरात ने पहले खेलते हुए 4 विकेट पर 192 रन बनाये थे। तब पंड्या 52 गेंद पर 87 रन बनाकर नाबाद रहे थे। उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के लगाये थे। वहीं डेविड मिलर ने 14 गेंद पर नाबाद 31 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना सकी थी।

गुजरात की टीम पहले क्वालिफायर में भी राजस्थान पर हावी रही। इस बार राजस्थान ने पहले खेले हुए 6 विकेट पर 188 रन बनाये। इसके जवाब में गुजरात ने 10वें ओवर में 85 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे पर इसके बाद पंड्या और मिलर ने नाबाद शतकीय साझेदारी करके टीम को वापसी कराते हुए जीत दिलायी। अंतिम ओवर में टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे। तब मिलर ने प्रसिद्ध कृष्णा की पहली 3 गेंद पर 3 छक्के जड़कर टीम को फाइनल में पहुंचाया। इस मैच में हार्दिक पंड्या 27 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे थे। वहीं डेविड मिलर ने 38 गेंद पर 179 के स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाए थे।

फ्रेंच ओपन में कैमेलिया ने गुस्से में फेंक रैकेट

पेरिस । फ्रेंच ओपन टेनिस में रोमानिया की महिला खिलाड़ी इरिना कैमेलिया ने अपना रैकेट गुस्से में फेंक दिया। यह रैकेट मैच देखने आये एक बच्चे को लग गया। इसके बाद इरिना ने इस घटना पर माफी मांगते हुए बच्चे को गोद में उठाया और उसके साथ तस्वीर भी खिंचायी। इरिना ने कहा, यह मेरे लिए शर्मनाक क्षण है। मैं बस माफी मांगना चाहती हूं। अपने पूरे करियर में मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है और मुझे वास्तव में बहुत बुरा लग रहा है। घटना के लिए मुझे दुख है। यह एक कठिन क्षण था क्योंकि मैं उस रैकेट को हिट नहीं करना चाहता था। आप रैकेट को मिट्टी में फेंकते हैं पर आप कभी भी उसके इतनी जाने की उम्मीद नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा थी पर ऐसा लगता है कि नियम मेरे खिलाफ थे। ऐसा नहीं होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आज के मैच के बाद सभी की सुरक्षा के लिए नियमों में सुधार किया जाएगा। हम अपने रैकेट के लिए जिम्मेदार हैं।

व्यापार न्यूज

फूड बाजार में प्रवेश करेगी अमूल, जून से मिलेगा ऑर्गेनिक आटा

मुंबई । अमूल ब्रांड के उत्पाद बनाने वाली डेयरी कंपनी गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने ऑर्गेनिक फूड के बाजार में उतरने की घोषणा की। जीसीएमएमएफ ने कहा कि इस कारोबार के तहत उतारा गया पहला उत्पाद अमूल ऑर्गेनिक होल व्हीट आटा है। कंपनी आगे चलकर मूंग दाल, तुअर दाल, चना दाल और बासमती चावल जैसे उत्पाद भी बाजार में उतारेगी। कंपनी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को एक साथ लाया जाएगा और दूध एकत्र करने के मॉडल को ही इस कारोबार में भी अपनाया जाएगा। इससे ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों की आय बढ़ेगी और ऑर्गेनिक खाद्य उद्योग को अधिक लोकतांत्रिक बनाया जा सकेगा। किसानों का बाजार से जुड़ाव एक बड़ी चुनौती है, वहीं ऑर्गेनिक जांच सुविधाएं भी महंगी हैं। इसलिए अमूल ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को बाजार से जोड़ने के अलावा देशभर में पांच स्थानों पर ऑर्गेनिक जांच प्रयोगशालाएं भी स्थापित करेगी। इस तरह की पहली प्रयोगशाला अहमदाबाद में अमूल फेड डेयरी में बनाई जा रही है। ऑर्गेनिक आटा जून के पहले हफ्ते से गुजरात में सभी अमूल पार्लरों और खुदरा दुकानों पर मिलने लगेगा। जून के बाद से गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और पुणे में भी ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकेगा। एक किलोग्राम आटे की कीमत 60 रुपए और पांच किलो आटा 290 रुपए का होगा।

यूएसएल अपने 32 ब्रांड 820 करोड़ में इन्बू को बेचेगी

नई दिल्ली । शराब उत्पादक कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) ने अपने 32 लोकप्रिय ब्रांड सिंगापुर स्थित इन्ब्रू बेवरेजिज को 820 करोड़ रुपए में बेचने और फ्रेंचाइजी देने की घोषणा की है। दोनों कंपनियों की तरफ से जारी एक साझा बयान में इसकी जानकारी दी गई। अपने चुनिंदा लोकप्रिय ब्रांड की बिक्री एवं फ्रेंचाइजी संबंधी इस समझौते पर यूएसएल ने हस्ताक्षर किए हैं। बयान के मुताबिक हैवर्ड्स, व्हाइट मिसचीफ, ग्रीन लेबल जैसे लोकप्रिय ब्रांड इस सौदे का हिस्सा हैं। हालांकि यूएसएल ने यह साफ किया है कि मैकडॉवल्स और डाइरेक्टर्स स्पेशल जैसे ब्रांड इस सौदे का हिस्सा नहीं हैं और कंपनी के पास ही बने रहेंगे।

शेयर बाजार समीक्षा: इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजारों की चाल

नई दिल्ली । इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़े भारतीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। सप्ताह के दौरान घरेलू मोर्चे पर कई बड़े आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार की चाल तय करेंगे। विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़ों के अलावा मुद्रास्फीति की चिंता के बीच वैश्विक रुख भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही बाजार भागीदारों की निगाह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख पर भी रहेगी। बाजार के ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर कई आंकड़े आने हैं, जिसके चलते बाजार काफी व्यस्त रहेगा। सप्ताह के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अलावा वाहन बिक्री और पीएमआई के आंकड़े भी आने वाले हैं। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के पीएमआई आंकड़े और अमेरिका के बेरोजगारी के आंकड़े भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। इन सब चीजों के बीच डॉलर इंडेक्स का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम भी बाजार को प्रभावित करेंगे। एफपीआई अब भी बिकवाली कर रहे हैं। यह देखना काफी रोचक होगा कि धारणा में सुधार के बाद उनके रुख में बदलाव आता है या नहीं। सप्ताह के दौरान अरविंदो फार्मा, जिंदल स्टील और सनफार्मा जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आने वाले हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस सप्ताह नए माह की शुरुआत होगी। बाजार भागीदारों की नजर वाहन बिक्री, विनिर्माण और सेवा पीएमआई के आंकड़ों पर रहेगी। इससे पहले सभी को जीडीपी आंकड़ों का इंतजार रहेगा, जो 31 मई को आने हैं। बाजार भागीदार मानसून की प्रगति के बारे में भी जानना चाहेंगे। उनका कहना है ?कि बीते सप्ताह के अंतिम दिनों में बाजार अपने नुकसान की भरपाई कर पाया। अमेरिका के अनुकूल खुदरा बिक्री के आंकड़ों और एफपीआई की बिकवाली घटने से बाजार का रुख सुधरा। फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक द्वारा जून में क्या कदम उठाया जाता है, आगे बाजार की रुख काफी हद तक इस पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाजार भागीदारों की नजरें कच्चे तेल के दाम और रुपए की चाल पर भी रहेगी। वैश्विक स्तर पर मंदी की चिंता के बीच भारत में जीडीपी के आंकड़ों का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। सप्ताह के दौरान कई आंकड़े आने हैं। ऐसे में यह निश्चित रूप से घटनाक्रमों से भरा हफ्ता रहेगा।

कोल इंडिया सात साल बाद कोयला आयात करेगी

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी कोयला कंपनी कोल इंडिया सात साल बाद कोयले का आयात करने जा रही है। कोल इं?डिया ने कहा है कि देश में बिजली संकट और कोयले की कमी को देखते हुए उसने यह फैसला लिया है। इस संबंध में बिजली मंत्रालय ने एक पत्र जारी किया है। 2015 के बाद यह पहली बार होगा कि कोल इंडिया कोयला आयात करने जा रहा है। केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने 28 मई को लिखे पत्र में कहा था कि कोल इंडिया गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट (जी2जी)बेसिस पर कोयले का आयात करेगी और राज्य के बिजली उत्पादकों और स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) के ताप बिजली संयंत्रों को सप्लाय किया जा सके। यह पत्र सभी उपयोगिताओं, संघीय कोयला सचिव और कोल इंडिया के अध्यक्ष समेत शीर्ष संघीय और राज्य ऊर्जा अधिकारियों को भेजा गया था। बिजली मंत्रालय ने पत्र में कहा कि लगभग सभी राज्यों ने सुझाव दिया था कि राज्यों द्वारा कई कोयला टेंडर से गड़बड़ी की आशंका हो सकती है। इस लिए कोल इंडिया के जरिए केंद्रीकृत खरीद का फैसला लेने की मांग की गई थी। इस महीने की शुरुआत में भारत सरकार ने राज्यों और कोयले से ऑपरेट होने वाली कंपनियों को जरूरत का कम से कम 10 प्रतिशत कोयला आयात करने के लिए कहा था। सरकार ने ऐसा नहीं करने पर घरेलू खनन कोयले की आपूर्ति में कटौती की चेतावनी दी थी। भारत के ऊर्जा क्षेत्र में कोयले के भंडार में कमी और उसके चलते बिजली की कटौती की खबरें हाल में सुर्खियों में रहीं थीं। आशंका जताई जा रही है कि मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष में कोयले की मांग 784.6 मिलियन टन होगी, जो पहले के अनुमान से 3.3 फीसदी ज्यादा है।

पश्चिम बंगाल में इलेक्ट्रिक वाहन और सीएनजी कार खरीदना हुआ सस्ता, नहीं देना होगा कोई कर

नई दिल्ली । महंगे पेट्रोल-डीजल के विकल्प बन रहे ई-वाहन की मांग बढ़ रही है। केंद्र सरकार के साथ-साथ कई राज्य सरकारें भी लगातार कोशिश कर रही हैं। यही वजह है कि बीते कुछ सालों में इलेक्ट्रिक व्हीकल और सीएनजी कारों की मांग तेजी से बढ़ी है। राज्य सरकारें अपने स्तर पर ग्राहकों को कई प्रकार के ऑफर रही हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल सरकार ने भी घोषणा की है कि राज्य में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर या फोर व्हीलर खरीदारों को अब रजिस्ट्रेशन फीस के साथ-साथ किसी भी प्रकार की फीस का भुगतान नहीं करना होगा। इसके अलावा लोग सीएनजी कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, उन्हें भी राज्य में इसी तरह की छूट दी जाएगी। राज्य सरकार के अनुसार, ईवी या सीएनजी का विकल्प चुनने वाले नई कार या दोपहिया खरीदारों को पंजीकरण शुल्क और अन्य करों का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यह ऑफर 1 अप्रैल 2022 से लागू हो गया और 31 मार्च 2024 तक वैध रहेगा।

अगर किसी व्यक्ति ने पिछले दो महीनों में ऐसा वाहन खरीदा है, तो वह रजिस्ट्रेशन शुल्क समेत भरी गई किसी प्रकार की फीस वापस लेने के लिए दावा नहीं कर सकता है। हालांकि, राज्य सरकार 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2024 के बीच जितने दिनों के लिए कर का भुगतान किया गया है, उतने दिनों के लिए कर वैधता के विस्तार के रूप में वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश करेगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस साल के बजट में इस तरह की छूट देने का वादा किया था। राज्य सरकार की ओर से 25 मई को जारी आदेश में कहा गया है, %बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों में निवेश को प्रोत्साहित करने और कार्बन फुटप्रिंट में कमी को प्रोत्साहित करने और पेट्रोल/डीजल पर निर्भरता को कम करने के लिए इस तरह की वित्तीय राहत या छूट देना जरूरी था।

ओला बनाएगी किफायती इलेक्ट्रिक कार!

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल का आसमान छूती कीमतों के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को सफलतापूर्वक स्थापित करने के बाद ओला इलेक्ट्रिक अब देश में अपनी दूसरी फैसिलिटी स्थापित करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु बेस्ड इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी अब अपने इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बिजनेस पर फोकस करने जा रही है। कंपनी नए प्लांट के लिए जमीन की तलाश कर रही है, जहां वह ओला इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी साथ ही अपने ईवी के लिए बैटरी भी बनाएगी। इससे पहले ओला इलेक्ट्रिक के एक अधिकारी ने पुष्टि की थी कि आगामी इलेक्ट्रिक कार एक नई फ्यूचर फैक्ट्री में बनाई जाएगी।

ओला इलेक्ट्रिक ने नए प्लांट के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। अब तक, ओला इलेक्ट्रिक अपने घरेलू आधार तमिलनाडु के अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना में राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। एक महीने के भीतर अंतिम फैसला होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हो सकता है कि नई फैसिलिटी तमिलनाडु के अलावा किसी अन्य राज्य में भी खोली जा सकती है। ओला इलेक्ट्रिक कथित तौर पर नए प्लांट की जमीन के लिए कई राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। इसे ईवी फोर-व्हीलर फैक्ट्री के लिए लगभग 1,000 एकड़ जमीन की जरूरत है, जो फ्यूचर फैक्ट्री से लगभग दोगुनी है, जहां यह एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने तमिलनाडु के कृष्णागिरी में फ्यूचर फैक्ट्री की स्थापना की थी, जो दिसंबर 2020 से काम कर रही है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी माना जाता है। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल 15 दिसंबर से अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी शुरू की थी। ईवी निर्माता अब भारत का प्रमुख दोपहिया निर्माता है, जिसकी हर महीने 10,000 से अधिक इकाइयां बिकती हैं। ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ और संस्थापक भाविश अग्रवाल ने इससे पहले इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर स्पेस में कंपनी की योजना का खुलासा किया था। उन्होंने कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक कार की फोटो भी शेयर की थी। शेयर की गई इमेज से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ओला इलेक्ट्रिक संभवत- पहले बैटरी इलेक्ट्रिक हैचबैक पर काम करेगी, जो कि एक किफायती ईवी हो सकती है।

भारतीय तेल कंपनियों के 1,000 करोड़ रूस में फंसे

नई दिल्ली । यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से डॉलर में होने वाले विदेशी भुगतान पर रोक लगने से भारतीय तेल कंपनियों की आठ अरब रूबल (करीब 1,000 करोड़ रुपए) की लाभांश आय रूस में फंस गई है। सार्वजनिक तेल कंपनियों के अधिकारियों ने कहा कि भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस में चार विभिन्न परिसंपत्तियों में हिस्सेदारी खरीद में करीब 5.46 अरब डॉलर का निवेश किया हुआ है। इन परिसंपत्तियों से निकलने वाले तेल एवं गैस की बिक्री से भारतीय कंपनियों को लाभांश आय होती है। हालांकि यूक्रेन संकट के बाद रूस की सरकार ने अमेरिकी डॉलर में भुगतान करने पर रोक लगा दी है। इस पाबंदी से भारतीय तेल कंपनियां रूस से अपनी आय नहीं निकाल पा रही है। वैंकोरनेफ्ट तेल एवं गैस क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के पास 49.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि तास-युरिआख नेफ्तगेजोदोबाइचा क्षेत्र में उनकी हिस्सेदारी 29.9 फीसदी है। ऑयल इंडिया के लिमिटेड के निदेशक (वित्त) हरीश माधव ने कहा?कि हमें अपनी परियोजनाओं से नियमित तौर पर अपनी लाभांश आय मिलती रही है।

आवारा जानवरों को खिलाने में अपार आनंद मिलता है : डेजी शाह

अभिनेत्री डेजी शाह जानवरों से काफी प्रेम करती हैं। वह आवारा पशुओं को खाना खिलाना पसंद करती हैं। उनका कहना है कि जब भी वह बाहर जाती हैं तो हमेशा जानवरों के साथ भोजन साथ लेकर चलती हैं। अभिनेत्री को हाल ही में मुंबई के अंधेरी में आवारा कुत्तों और गायों को खाना खिलाते हुए देखा गया था। शाह ने कहा, मुझे जब भी मौका मिलता है, मैं अक्सर आवारा जानवरों को खाना खिलाती हूं। मैं चाहे कहीं भी जा रही हूं, मैं अपनी कार में हमेशा कुत्तों के लिए बिस्कुट का एक बॉक्स रखती हूं। अगर मैं एक सिग्नल पर रुकती हूं या अगर मैं अपनी कार से किसी जगह पर जा रही होती हूं और इन प्यारे जानवरों को देखती हूं, तो मैं उन्हें हमेशा खाना खिलाती हूं। ऐसा करने में अथाह आनंद है। अभिनेत्री का कहना है कि कचरे के उचित निस्तारण को सुनिश्चित करना इसलिए भी बहुत जरूरी है, ताकि पशु गलत चीजों का सेवन न कर सकें। उन्होंने कहा, यह समझने की जरूरत है कि आवारा जानवरों को भी खाने की जरूरत होती है, इसलिए वे जहां कहीं भी संभव हो, वहां से भोजन पाने की कोशिश करते हैं। कई बार यह शहर के आसपास रहने वाले बड़े कचरे के डिब्बे से होता है, जो बीएमसी द्वारा प्रदान किया जाता है। सरकार ने निश्चित रूप से हमारे शहर को ये कचरे के डिब्बे मुहैया कराकर सफाई रखने का काम किया है, लेकिन लोग अभी तक अपने कचरे को सही ढंग से अलग करने से अनजान हैं। अभिनेत्री ने लोगों से अपने कचरे को ठीक से अलग-अलग करने का आग्रह किया है, ताकि इसका निस्तारण या निपराटा उचित तरीके से किया जा सके।

पिंक ऑफशोल्डर गाउन में गजब की नजर आई बाहुबली फेम तमन्ना भाटिया

बाहुबली फेम एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने एक बार फिर से अपनी अदाओं का तड़का लगाया है। इस बार वह पिंक ड्रेस में गजब नजर आई हैं जो आप देख सकते हैं। वैसे तमन्ना का हर लुक बेहतरीन होता है और वह अपने लुक से सभी को घायल करने में आगे हैं। तमन्ना ने एक या दो बार नहीं बल्कि हर बार अपने हुस्न से लोगों को दीवाना बना डाला है। अब तक उनकी तस्वीरें हों या वीडियोज, सामने आने के साथ ही वायरल हो जाते हैं। वैसे तमन्ना लगातार अपने फैंस से कनेक्ट रहने के लिए सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। इस बार भी उन्होंने इंस्टाग्राम पर नया फोटोशूट शेयर करके तहलका मचा दिया है। आप देख सकते हैं तमन्ना भाटिया ने इन तस्वीरों में पिंक कलर के हाईस्लिट गाउन में गॉर्जियस अंदाज में पोज दिए हैं।

येह तस्वीरें उनके फैंस देखते नहीं थक रहे हैं। हर कोई उनकी तारीफों के पूल बाँध रहा है। वैसे तमन्ना ने इस फोटोशूट की 9 तस्वीरें एक-एक करके शेयर की हैं। कुछ तस्वीरें बहुत पास से ली गई हैं तो कुछ बहुत दूर से। वैसे इन तस्वीरों को शेयर करते हुए तमन्ना ने एक काफी मजेदार कैप्शन लिखा है। जी दरअसल उन्होंने लिखा है- पिंकटास्टिक। आप देख सकते हैं उनका गाउन ऑफशोल्डर हाई स्लिट गाउन है। इसमें टॉप पर हैवी वर्क के साथ रॉयल लुक है। जबकि इसका फॉल नेट स्टाइल का है। गाउन में उन्होंने सिल्वर कलर के लंबे से ईयररिंग्स पहने हैं। उनका पूरा लुक बेहतरीन है।

'गुडबाय' के सेट पर मनाया गया रश्मिका मंदाना का जन्मदिन

साउथ सेंसेशन रश्मिका मंदाना और अमिताभ बच्चन अभिनीत 'गुडबाय' की शूटिंग हाल ही में शुरू की गई है। बालाजी टेलीफिल्म्स व रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और विकास बहल द्वारा निर्देशित इस फिल्म की घोषणा ने ही दर्शकों को जिज्ञासु कर दिया है। अभिनेत्री ने 'गुडबाय' के सेट पर अपना 25वां जन्मदिन मनाया है। ऐसे में, फिल्म की टीम ने यह सुनिश्चित किया कि उनके लिए एक छोटा सा सेलिब्रेशन किया जाए क्योंकि वह अपने विशेष दिन पर काम कर रही थी। एक सूत्र ने खुलासा किया, वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, सेट पर एक अच्छा सेलिब्रेशन का माहौल था। सभी कलाकारों और चालक दल के साथ सभी कोविड दिशानिदेशरें का सावधानी से पालन किया जा रहा है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, केक काटने के दौरान भी सभी मास्क पहने हुए थे और उचित सामाजिक दूरी बनाए रखी थी।

हेरा फेरी 3 की स्क्रिप्ट हुई फाइनल, एक बार फिर अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मचाएंगे धमाल

राज, श्याम और बाबूराव की फिल्म हेरा फेरी ने खूब धमाल मचाया था. इस फिल्म को अब तक कितनी ही बार देख लिया, लेकिन आज भी फिल्म के कुछ सीन्स देखकर आप अपनी हंसी नहीं रोक पाते. इसके बाद फिल्म के दूसरे पार्ट फिर हेरा फेरी भी हिट थी. अब आज हेरा फेरी की रिलीज को 21 साल हो गए हैं. इस खास मौके पर फिल्म के प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने हेरा फेरी 3 को लेकर बड़ा अपडेट दिया है. उन्होंने कम्फर्म किया है कि अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ तीसरी इंस्टॉलमेंट लेकर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'स्क्रिप्ट फाइनल हो गई है और जल्द ही इसकी ऑफिशयल अनाउंसमेंट की जाएगी. इस बार आइडिया सिर्फ हेरा फेरी 3 नहीं है बल्कि और हेरा फेरी भी है और हम उसका पूरा ख्याल रख रहे हैं.' फिरोज ने कहा, 'हम इस बार स्क्रिप्ट को लेकर थोड़ा ज्यादा ध्यान दे रहे हैं. अब जब चीजें सही जगह पर बैठ गई हैं तो मैं यही कहूंगा कि बनेगी तब जब 2-3 हेरा फेरी साथ बनेगी. फिरोज का ये भी कहना है कि इस फिल्म की फ्रेंचाइजी को आगे लेकर जाना काफी प्रेशर से भरा है और प्रेशर से ज्यादा इसमें जिम्मेदारी वाली बात है क्योंकि आपको ऑडियंस को अच्छा प्रोडक्ट देना है. भगवान ने हमें इतनी अच्छी फ्रेंचाइजी दी तो हमें स्टोरी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग सब बेस्ट रखना होगा. हम इसे हल्के में नहीं ले सकते.' बता दें कि फिर हेरा फेरी में राजू ब्रिज पर वो एंटीक बंदूक को नदी में गिरने से बचाता है. फिरोज से पूछा गया कि क्या हेरा फेरी 3 की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां दूसरे पार्ट का एंड हुआ था तो उन्होंने कहा, 'हां उसमें कहानी कन्टीन्यू होगी. लोगों को फाइनली उस लास्ट सीन का जवाब मिल जाएगा.' बता दें कि फिल्म के पहले पार्ट को प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया था. वहीं दूसरे पार्ट को दिवंगत डायरेक्टर नीरज वोरा ने डायरेक्ट किया था. अब तीसरे पार्ट को कौन डायरेक्ट करेगा इसका जवाब जानने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं. वैसे आज फिल्म के 21 साल पूरे होने पर अक्षय ने धोली वाले सीन की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'हमे उस समय नहीं पता था कि हम क्या फिल्म बना रहे हैं।

VEDANTA PVT. ITI.
MEHGAON , BHIND
प्रवेश प्रारंभ TRADE प्रवेश प्रारंभ
I.T.I पास को माना जाऐगा 12वीं पास
★ELECTRICIAN ★FITTER
Add- Near Agrawal Petrol Pump Bhind Road Mehgaon, Bhind (M.P.)
MOB. 7999312951, 7000404914, 7694927881

ड्रोन की जरूरत

दिल्ली के प्रगति मैदान में दो दिवसीय ड्रोन महोत्सव 2022 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं ड्रोन प्रदर्शनी से प्रभावित हूं। 2030 तक भारत ड्रोन हब बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, यह उत्सव सिर्फ ड्रोन का नहीं, यह नए भारत-नई गवर्नेंस का उत्सव है। ड्रोन टेक्नोलॉजी को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वो अद्भुत है। ये जो ऊर्जा नजर आ रही है, वो भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। पीएम ने कहा, यह ऊर्जा भारत में रोजगार सृजन के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती है। उन्होंने कहा, आठ वर्ष पहले यही वो समय था, जब भारत में हमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करने की शुरुआत की थी। आज ड्रोन का प्रयोग हर सेक्टर में किया जा रहा है। आज किसान भी ड्रोन का प्रयोग खेती में कर रहे हैं। इसकी मदद से देश भर में विकास कार्यों का निरीक्षण करा जा रहा है। ड्रोन तकनीक को लेकर भारत आक्रामक प्रयास कर रहा है। भारत ने अपनी नई ड्रोन नीति तैयार की है, जिसके तहत ड्रोन जैसे तकनीकी उपकरणों के निर्माण और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आक्रामक रुख अख्तियार किया जाएगा। इस साल गणतंत्र दिवस के जश्न में इसकी एक झलक देखने को मिली, जब भारत में निर्मित करीब एक हजार ड्रोन रायसीना पहाड़ियों के ऊपर एक साथ उड़ाए गए और लयबद्ध उड़ते ड्रोन से आकाश में भारत का नक्शा और महात्मा गांधी की तस्वीर जैसी कई जटिल आकृतियां तैयार की गईं। इस आयोजन के महज 11 दिन बाद ही भारत सरकार ने विदेश निर्मित ड्रोन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। हाल में किसान ड्रोन योजना की घोषणा की गई, जिसके तहत कृषि कार्यों में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा।हाल तक भारत सरकार का रुख ड्रोन को लेकर ऐसा नहीं था। सामान्य ड्रोन रखना भी नियमों के लिहाज से जटिल कवायद थी। हाल के दिनों में सरकार ने न सिर्फ इसके रखने के नियम आसान बनाए हैं, बल्कि अलग-अलग तरीके के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है। कृषि संबंधी कामों में ड्रोन के इस्तेमाल की छूट और पीएम स्वामित्व योजना के तहत गांवों में लोगों की संपत्तियों के सर्वे के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक लाख से भी ज्यादा गांवों (17 फीसद गांव) में इस तकनीक से भूमि सर्वे किया जा चुका है।ड्रोन निर्माता नव उद्यम (स्टार्टअप) कंपनी %बाटलैब डायनामिक्स' की संस्थापक सरिता अहलावत के मुताबिक, समूची कवायद के बावजूद ड्रोन को आम दोपहिया जैसा इस्तेमाल करने लायक दौर आने में अभी देरी है। बाटलैब डायनामिक्स ने ही गणतंत्र दिवस पर करतब दिखाने वाले ड्रोन तैयार किए थे। उनका स्टार्टअप दिल्ली आईआईटी के संरक्षण में काम करता है। उनके मुताबिक, भारत का ड्रोन उद्योग अभी ही घरेलू या रक्षा जरूरतें पूरा करने में सक्षम है, लेकिन भारतीय ड्रोन अब भी आयातित चीनी ड्रोन के मुकाबले बेहद महंगे हैं। यही कारण है कि भारत सरकार ने ड्रोन पर प्रतिबंध लगाया है, पुर्जों के आयात पर नहीं। ड्रोन बनाने के लिए जरूरी मोल्डिंग, माइक्रो कंट्रोलर, डायोड और रजिस्टर जैसी चीजों का निर्माण भारत में ना के बराबर होता है। अच्छे ड्रोन के लिए गुणवत्ता वाली मोटर और लीथियम आयन बैटरी का निर्माण भी भारत में नहीं होता।विदेशी ड्रोन पर प्रतिबंध के फैसले की एक वजह सुरक्षा भी है। भारतीय वायुक्षेत्र से चीनी ड्रोन को बाहर रखने की कोशिश है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत दुनियाभर में नामी चीन की ड्रोन निर्माता कंपनी-एसजेडी डीजेआइ टेक्नोलाजी को सुरक्षा लिहाज से भी रोकना चाहता है।

मासूम बच्चों के लिए काल बनते बोरवेल

योगेश कुमार गोयल

पंजाब के होशियारपुर जिले के गढ़दीवाला के समीप बहरामपुर में 22 मई को हुए दर्दनाक हादसे में कुत्ते से बचकर भाग रहा छह वर्षीय एक बच्चा ऋतिक 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरकर मौत की नींद सो गया। हालांकि सेना और एनडीआरएफ की टीम ने आठ घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद उसे बोरवेल से बाहर तो निकाल लिया लेकिन अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों द्वारा बताया गया कि अस्पताल लाने से घंटे भर पहले ही बच्चे की मौत हो चुकी थी। यह दर्दनाक घटना उस समय हुई, जब बच्चा खेत में खेल रहा था और उसी दौरान एक आवारा कुत्ता उसके पीछे पड़ गया। बच्चा कुत्ते से बचने के लिए भागते हुए बोरवेल शाफ्ट पर चढ़ गया, जिसे जूट के बोरे से ढ़का हुआ था। इस प्रकार बच्चा 300 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर करीब 95 फुट नीचे जाकर फंस गया और खुले पड़े बोरवेल के कारण मौत के मुंह में समा गया। पिछले कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे अनेक दर्दनाक हादसे हो चुके हैं, जिनमें इन बोरवेलों ने मासूम बच्चों को जिंदा निगल लिया। हालांकि विड़म्बना यह है कि ऐसे हादसों पर पूर्णविराम लगाने के लिए कहीं कोई कारगर प्रयास होते नहीं दिखते।

हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अब कई मामले सामने आते हैं, जिनमें से अधिकांश की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर दर्दनाक मौत हो जाती है। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरूकता के प्रयासों के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु इनसे सबक सीखने को कोई तैयार नहीं दिखता। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। सवाल यह भी हैं कि आखिर बार-बार होते ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवैल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे और कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं।

अब तक अनेक मासूम जिंदगियां बोरवेल में समाकर जिंदगी की जंग हार चुकी हैं किन्तु विड़म्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में एक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने करीब दो साल पहले दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़ देते हैं, जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले, तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हम मासूम मौतों पर घड़ियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे।

विड़म्बना है कि देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। बोरवेलों में बच्चों के गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है। अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डी.एम., ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढ़ों के मुंह को लोहे के ढ़क्कन से ढ़कना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता।

अदालती दिशा-निर्देशों में स्पष्ट है कि बोरवेल की खुदाई के बाद यदि कोई गड्ढ़ा है तो उसे कंक्रीट से भर दिया जाए लेकिन ऐसा न किया जाना हादसों का सबब बनता है। ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। प्रायः होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है, वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है। कहीं बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढ़ों या सूख चुके कुओं को बोरी, पॉलीथीन या लकड़ी के फट्टों से ढ़ांप दिया जाता है तो कहीं इन्हें पूरी तरह से खुला छोड़ दिया जाता है और अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है, जो किसी परिवार को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती है। बहरहाल, न केवल सरकार बल्कि समाज को भी ऐसी लापरवाहियों को लेकर चेतना होगा ताकि भविष्य में फिर ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी। वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाप के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था।

दम तोडती निष्पक्ष मिशनरी पत्रकारिता!

डा श्रीगोपालनारसन

सुबह का अखबार या फिर समाचार चैनल कैसा हो? समाचार पत्रों व समाचार चैनलों पर क्या परोसा जाए? क्या नकारात्मक समाचारों से परहेज कर सकारात्मक समाचारों की पत्रकारिता संभव है ?क्या धार्मिक समाचारों को समाचार पत्रों में स्थान देकर पाठको को धर्मावलम्बी बनाया जा सकता है ? ब्रहमाकुमारीज के मीडिया सम्मेलनों में प्रायः एक स्वर में निर्णय लिया गया है कि व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय उन्नति के लिए उज्जवल चरित्र व सांस्कृतिक निर्माण के सहारे सकारात्मक समाचारों को प्राथमिकता देकर मीडिया सामग्री में व्यापक बदलाव किया जाए।

विकास से सम्बन्धित समाचारों, साक्षता, संस्कृति, नैतिकता और आध्यात्मिक मूल्य जैसे मुद्दों का समावेश कर स्वस्थ पत्रकारिता का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। आज देशभर में हजारों समाचार पत्र व 700 से अधिक चैनल चल रहे है। जिनमें से कई समाचार पत्र व चैनल ऐसे है जो समाज के सुदृडीकरण के लिए खतरनाक है। इन समाचार पत्रों व चैनलों पर इतनी अश्लीलता पड़ोसी जाती है जिस कारण उसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर पढ़ व देख नही सकता। ऐसे समाचार पत्रों व चैनलों पर कोई रोक भी नही है। इसलिए ऐसे समाचार पत्रों व चैनलों को ऐसी आपत्तिजनक सामग्री परोसने के बजाए समग्र परिवार हित की सामग्री परोसने पर विचार करना चाहिए। ऐसे समाचारों को परोसने से परहेज करना चाहिए जिसको चैनल पर देखकर या फिर अखबार में पढकर मन खराब होता हो या फिर दिमाग में तनाव उत्पन्न होता हो। आज के बदलते दौर में हिन्दी पत्रकारिता के भी मायने बदल गए है। दुनिया को मुठ्ठी में करने के बजाए पत्रकारिता गली मोहल्लो तक सिकुडती जा रही है। अपने आप को राष्ट्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र क्षेत्रीयता के दायरे में और क्षेत्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र स्थानीयता के दायरे में सिमटते जा रहे है। जो पत्रकारिता के लिए शुभ संकेत नही है। सही मायने में पत्रकारिता का अर्थ अपनी और दुसरों की बात को दूर तक पंहुचाना है।साथ ही यह भी जरूरी है कि किस घटना को खबर बनाया जाए और किसे नही? आज की पत्रकारिता बाजारवाद से ग्रसित होने के साथ साथ मूल्यों की दृष्टि से रसातल की तरफ जा रही है। बगैर कार्यक्रम हुए ही कपोल कल्पित कार्यक्रम की खबरे आज अखबारो की सुर्खिया बनने लगी है,सिर्फ नाम छपवाने के लिए जारी झूठी सच्ची विज्ञप्तियों के आधार पर एक एक खबर के साथ बीस बीस नाम प्रकाशित किये जाने लगे है जो पत्रकारिता की विश्वसनीयता को न सिर्फ प्रभावित कर रहे है बल्कि ऐसी पत्रकारिता पर सवाल उठने भी स्वाभाविक है। इसके पीछे अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि जितने ज्यादा नाम प्रकाशित होगे, उतना ही ज्यादा अखबार बिकेगा, लेकिन यह पत्रकारिता के स्वास्थ्य के लिए ठीक नही है । ठीक यह भी नही है कि प्रसार संख्या बढाने की गरज से समाचार पत्र को इतना अधिक स्थानीय कर दिया जाए कि वह गली मोहल्ले का अखबार बन कर रह जाए। आज हालत यह है कि ज्यादातर अखबार जिले और तहसील तक सिमट कर रह गए है। यानि एक शहर की खबरे दूसरे शहर तक नही पंहुच पाती।उत्तराखण्ड के सीमावर्ती कस्बे गुरूकुल नारसन और मुजफफरनगर जिले के पुरकाजी कस्बे में मात्र 4 किमी का अन्तर है लेकिन जिला और प्रदेश बदल जाने के कारण एक कस्बे की खबरे दूसरे तक नही पंहुच पाती है।इससे पाठक स्वयं को ठगा सा महसूस करता है। ऐसा नही है कि स्थानीय खबरो की जरूरत न हो, लेकिन यदि एक अखबार में 4से 6 पेज स्थानीय खबरो के होगे तो पाठक को क्षेत्रीय,राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय खबरे कम पढने को मिलेगी जो उनके साथ अन्याय है। वैसे भी खबर वही है, जो दूर तक जाए यानि दूरदराज के क्षेत्रो तक पढी जाए। दो दशक पहले तक स्थानीय खबरो पर आधारित समाचार पत्र बहुत कम थे। पाठक राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों पर निर्भर रहता था। वही लोगो की अखबार पढने में रूची भी कम थी। स्थानीय अखबारो ने पाठक संख्या तो बढाई है लेकिन पत्रकारिता के स्तर को कम भी किया है। आज पीत पत्रकारिता और खरीदी गई खबरो से मिशनरी पत्रकारिता को भारी क्षति हुई है। जिसे देखकर लगता है जैसे पत्रकारिता एक मिशन न होकर बाजार का हिस्सा बनकर गई हो। पत्रकारिता में परिपक्व लोगो की कमी,पत्रकारिता पर हावी होते विज्ञापन,पत्रकारो के बजाए मैनेजरो के हाथ में खेलती पत्रकारिता ने स्वयं को बहुत नुकसान पहुंचाया है।

जीवन में अमृत है पानी, जल है तो कल है

डॉ. सौरभ मालवीय

मनुष्य का शरीर पंचभूत से निर्मित है। पंचभूत में पांच तत्त्व आकाश, वायु, अग्नि, जल एवं पृथ्वी सम्मिलित है। सभी प्राणियों के लिए जल अति आवश्यक है। प्रत्येक प्राणी को जीवित रहने के लिए जल चाहिए। निःसंदेह जल ही जीवन है। जल के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। जल के पश्चात मनुष्य को जीवित रहने के भोजन चाहिए। भोजन के लिए अन्न, फल एवं सब्जियां उगाने के लिए भी जल की ही आवश्यकता होती है। कृषकों को अपनी फसल की सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है। पर्याप्त वर्षा न होने पर उनकी फसल सूख जाती है। अधिकांश क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर वर्षा नाममात्र की ही होती है। जलवायु परिवर्तन एवं जल के अत्यधिक दोहन के कारण भू-जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। इस गिरते भू-जल स्तर के कारण सिंचाई जल संकट उत्पन्न हो गया है। इसके अतिरिक्त जिन क्षेत्रों में जल की आपूर्ति नहीं है अथवा जल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं है, वहां के निवासी भी पेयजल के लिए संकट में रह रहे हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में जल संकट बना हुआ है।

वास्तव में इस जल संकट के लिए मनुष्य स्वयं उत्तरदायी है। प्राचीन काल में लोग प्राकृतिक वस्तुओं का उतना ही उपयोग करते थे, जितनी उनकी आवश्यकता होती है। भारतीय संस्कृति के अनुसार ईश्वर कण-कण में विद्यमान है। इसलिए प्रत्येक वस्तु में भगवान का वास माना जाता है। हमारी प्राचीन गौरवमयी संस्कृति में जल को जीवन माना गया है-

जलमेव जीवनम।

ऋग्वेद में भी जल के गुणों का वर्णन करते हुए कहा गया है-

अप्स्वन्तरमृतमप्सु भेषजम।।

अर्थात जल में अमृत है, जल में औषधि है।

महाभारत में भी जल के महत्त्व का वर्णन करते हुए इसे सर्वोत्तम दान कहा गया है-

अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च।

तस्मात् सर्वेषु दानेषु तयोदानं विशिष्यते।।

अर्थात संसार के समस्त प्राणियों की उत्पत्ति जल से हुई है तथा इसी से वे जीवित रहते हैं। अतः सभी प्रकार के दानों में जल-दान सर्वोत्तम माना गया है। महाभारत में यह भी कहा गया है-

पानीयं परमं लोके जीवानां जीवनं समृतम।

पानीयस्य प्रदानेन तृप्तिर्भवति पाण्डव।

पानीयस्य गुणा दिव्याः परलोके गुणावहाः।।

अर्थात जल से ही संसार के समस्त प्राणियों को जीवन प्राप्त होता है। जल का दान करने से प्राणियों को तृप्ति प्राप्त होती है। जल में दिव्य गुण हैं, जो परलोक में भी लाभ प्रदान करते हैं।

विष्णु पुराण में जल-चक्र का वर्णन किया गया है कि किस प्रकार वह वाष्प बनता है तथा वर्षा के रूप में भूमि को तृप्त करता है। इसी जल से कृषि होती है अर्थात अन्न उत्पन्न होता है-

विवस्वानर्ष्टाभर्मासैरादायापां रसात्मिकाः।

वर्षत्युम्बु ततश्चान्नमन्नादर्प्याखिल जगत।

अर्थात सूर्य आठ मास तक अपनी किरणों से रस स्वरूप जल को ग्रहण करता है। तत्पश्चात चार मास में उसे वर्षा के माध्यम से बरसा देता है। इससे अन्न उत्पन्न होता है, जिससे संपूर्ण जगत का पोषण होता है।

वर्षा का जल अत्यंत उपयोगी है। अथर्ववेद में भी इस विषय में कहा गया है-

शिवा नः सन्तु वार्षिकीः।

अर्थात वर्षा का जल कल्याणकारी है।

प्राचीन ग्रन्थों में जल संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है। ऋग्वेद के अनुसार-

अप्स्वडन्तरमृतमप्सु भेषजमपामुत प्रशस्तये देवा भक्त वाजिनः।

अर्थात अमृत के समान एवं गुणकारी जल का उचित उपयोग करने वाले बनो। जल की प्रशंसा के लिए सदैव तत्पर रहो।

सूडोकु नवताल- 6086

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल 6085 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

दुशांबे में पाक क्यों नहीं आया?

वेदप्रताप वैदिक

अफगानिस्तान के आठ पड़ौसी देशों का एक चौथा सम्मेलन ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में इस हफ्ते हुआ। इस सम्मेलन में कजाकिस्तान, किरगीजिस्तान, उजबेकिस्तान और ताजिकिस्तान ने तो भाग लिया ही, उनके साथ रूस, चीन, ईरान और भारत के प्रतिनिधि भी उसमें गए थे। यह सम्मेलन इन देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का था। भारत से हमारे प्रतिनिधि अजित दोभाल थे। उनके साथ विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव जे.पी. सिंह भी थे लेकिन पिछली बार जब यह सम्मेलन भारत में हुआ था तो चीनी प्रतिनिधि इसमें सम्मिलित नहीं हुए थे। उन्होंने कोई बहाना बना दिया था। पाकिस्तान न तो उस सम्मेलन में आया था और न ही इस सम्मेलन में आया। क्यों नहीं आया? क्योंकि एक तो इसमें भारत की उपस्थिति ऐसी है, जैसे किसी ड्राइंग रूम में हाथी की होती है। भारत इन देशों में चीन के बाद सबसे बड़ा देश है। भारत आतंकवाद का शिकार हुआ है। पाकिस्तान के लिए वह सिरदर्द बन सकता है लेकिन इस बार चीन दुशांबे में तो आया लेकिन दिल्ली में नहीं आया। क्यों नहीं आया, क्योंकि वह दिल्ली आता तो पाकिस्तान नाराज़ हो सकता था। पाकिस्तान और चीन की दोस्ती मामूली नहीं है। इस्पाती है। इसके बावजूद भारत और ताजिकिस्तान ने अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकवादियों की भर्त्सना की और काबुल में सर्वसमावेशी सरकार की मांग की। ताजिकिस्तान वही देश है, जहां काबुल से भागकर राष्ट्रपति अशरफ गनी पहुंच गए थे। अफगानिस्तान के फारसीभाषी ताजिक लोग उसका सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह हैं जबकि तालिबान मुख्यतः गिलजई पठान हैं। ताजिकिस्तान में बैठकर ही अहमदशाह मसूद ने काबुल की रूसपरस्त सत्ता को हिला रखा था। अब भी तालिबान का काबुल पर कब्जा होते ही मसूद के बेटे और भाई दुशांबे में बैठकर तथाकथित प्रवासी सरकार चला रहे हैं। इस सम्मेलन से तालिबान इसलिए भी बाहर है कि एक तो उनकी सरकार को किसी ने भी मान्यता नहीं दी है और दूसरा वे ताजिक दखलंदाजी के खिलाफ हैं। चाहे जो हो, इस सम्मेलन में रूस और चीन की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूतिन का रूस अब ब्रेजनेव वाला रूस नहीं रहा और चीन को अपने शिन च्यांग में चल रहे उइगर मुसलमानों से बहुत परेशानी है। लाखों उइगर मुसलमानों को चीन ने यातना-शिविरों में बंद कर रखा है। इस दृष्टि से भारत और चीन की चिंताएं लगभग एक-जैसी हैं।

जांच के नाम पर 6 साल से लंबित मामले को दीमक द्वारा नष्ट बताकर करोड़ों के भ्रष्टाचार को दफन करने की साजिश

प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक मिश्रा ने कलेक्टर पर लगाए आरोपियों को बचाने के गंभीर आरोप

मुरैना। प्रदेश के मुखिया भृष्टाचार के मामले में भले ही जीरो टोलरेंस का दावा करते हों लेकिन जिले के चित्रौनी थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 22/16 उनके इस दावे की पोल खोल रहा है। राजनैतिक हस्तक्षेप के कारण विगत छः बर्षों से जौरा विधायक की पत्नी एवं कुछ अन्य नजदीकियों के खिलाफ दर्ज गंभीर आर्थिक अपराध का यह मामला न केवल फाईलों में दफन होकर रह गया है, अपितु अधिकारियों ने राजनैतिक दबाव में इस मामले की फाईल एवं जांच के महत्वपूर्ण दस्तावेजों को दीमक द्वारा खाकर नष्ट किया जाना बताकर जांच में प्रमाणित हो चुके करोड़ों के भ्रष्टाचार को फाईलों में दफन करने की पटकथा लिखकर तैयार कर दी है। करोड़ों के भृष्टाचार के मामले में यह सनसनीखेज आरोप जौरा के पूर्व विधायक रहे वरिष्ठ कॉंग्रेसी नेता महेशदत्त मिश्र ने लगाया है। मिश्र ने मामले का हवाला देते हुए प्रमुख सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर मामले की फाईल का पुर्ननिर्माण कर अरोपियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। पूर्व विधायक ने पत्रकारों को मामले से सम्बंधित दस्तावेज दिखाते हुए मामले के सम्बंध में विधानसभा में एकाधिक बार पूछे प्रश्नों के लिखित उत्तर में अधिकारियों द्वारा जांच जारी होने एवं कार्यवाही किये जाने के आश्वासनों के बावजूद राजनैतिक दबाव के चलते अधिकारी मामले में लोकतंत्र के मंदिर एवं जनप्रतिनिधियों सहित आमजन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं तथा मामलों में कलेक्टर की कार्यप्रणाली संदिग्ध है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए मिश्र ने जौरा विधायक एवं उनके परिजनों से संबंधित भृष्टाचार के अन्य कई मामलों में भी राजनैतिक दबाव में अधिकारियों द्वारा कार्यवाही लंबित रखने का आरोप भी लगाया।

पूर्व विधायक महेशदत्त मिश्र ने रविवार को एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि सेवा सहकारी संस्था रजौधा में हुए करोड़ों के केसीसी घोटाले की जांच में कमेटी ने संस्था के संचालक मण्डल सहित जौरा विधायक की पत्नी श्रीमती सियाबाई के खिलाफ बर्ष 2016 में दोषी पाया था। इस मामले में जांच प्रतिवेदन के आधार पर सहकारिता विभाग के अधिकारियों की पहल पर चित्रौनी थाना पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 22/16 दर्ज किया था। मिश्र ने बताया कि इस मामले में जौरा व सबलगढ सहित कुछ अन्य विधायकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर में विधानसभा में मामले की जांच जारी रहने सहित कार्यवाही किये जाने के आश्वासन भी दिये गये थे। 13 करोड़ के अनुमानित भ्रष्टाचार के इस बड़े मामले में विधायक एवं उनकी पत्नी एवं कुछ अन्य नजदीकी लोगों के शामिल होने के कारण प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद अधिकारियों का रवैया एकदम बदल गया है। पिछले दिनों चित्रौनी के थाना प्रभारी द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिनांक 17 फरवरी को लिखे पत्र क्रमांक 129 में अवगत कराया गया है कि थाने के मालखाने में रखे मामले की फाईल सहित अन्य दस्तावेजों को दीमक द्वारा खाकर नष्ट होना बताया गया है। पूर्व विधायक ने थाना प्रभारी द्वारा लिखे गये पत्र को राजनैतिक दबाव में लिखना बताते हुए इसे जौरा विधायक की आरोपी पत्नी सहित मामले के अन्य सहआरोपियों को बचाने का षड़यंत्र बताते हुए मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। पूर्व विधायक मिश्र ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने इस संबंध में मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक भोपाल से भैंटकर अपनी मांगों से अवगत करा दिया है। मिश्र ने चित्रौनी थाना प्रभारी द्वारा दिनांक 17 फरवरी 2022 को भृष्टाचार के इस बड़े मामले के केस डायरी एवं अन्य दस्तावेजों को दीमक द्वारा खाये जाने के दावे को हास्यास्पद बताते हुए सबाल उठाया कि जांच जारी होने एवं मामले में चालान पेश होने से पूर्व केस डायरी एवं अन्य दस्तावेजों को मालखाने में रखे जाने के दावे को खारिज करते हुए इसे नियमों के विपरीत बताया। उन्होंने मामले में चुटकी लेते हुए कहा कि दीमक इतनी पड़ी लिखी थी कि उसने इसी मामले की केस डायरी एवं दस्तावेजों को खाया अन्य सामान ज्यों का त्यों रखा रहा। पूर्व विधायक ने थाना

प्रभारी के पत्र पर वरिष्ठ अधिकारियों की चुप्पी पर सबाल उठाते हुए कहा कि भृष्टाचार के एसे गंभीर मामले में आला अधिकारियों द्वारा चुप्पी साधने के बजाय अपने स्तर से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किये जाने को भी आला अधिकारियों के इसमें संलिप्त होने का भी संदेह प्रकट किया। पूर्व विधायक मिश्र ने चित्रौनी थाना प्रभारी द्वारा पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र को आला अधिकारियों द्वारा विधायक के कहने पर उनके प्रति निष्ठावान अधिकारियों की जातिगत आधार पर थानों नियुक्ति किये जाने का परिणाम बताया।

न्यायालय के निर्देश पर भी नहीं ले रहे संज्ञान

पूर्व विधायक जौरा महेशदत्त मिश्र ने पत्रकारों से संबोधित करते हुए कहा कि भृष्टाचार के ऐसे ही कई अन्य मामलों में भी प्रशासनिक अधिकारी राजनैतिक दबाव में कार्यवाही करने के बजाय चुप्पी साधकर बैठे हैं। उन्होंने बताया कि मार्केटिंग सोसाईटी जौरा द्वारा बर्ष 2009 में आंकड़ों में हेरा-फेरी कर सरकारी खाद्यान्न हड़पने के मामले में जांच प्रमाणित होने के बाद एवं आरोपियों से लगभग एक करोड़ की राशि बसूलने के निर्देश भी ठण्डे बस्ते में बंद है। मिश्र ने ऐसे ही एक और मामले का जिक्र करते हुए कहा कि कस्वा जौरा स्थित पटवारी हलका क्रमांक 24/2 भूमि सर्वे क्रमांक 422 की औकाफ भूमि मिल्कियत सरकार के रकबा 0.052 जो कि शहर के मध्य भाग में स्थित बेशकीमती भूमि राजस्व रिकार्ड में महालक्ष्मी मंदिर मिल्कियत सरकार के नाम दर्ज है। औकाफ विभाग की इस बेशकीमती भूमि को मार्केटिंग सोसाईटी जौरा ने तत्कालीन राजस्व अधिकारियों से सांठगांठ कर अपने नाम दर्ज करा लिया। तत्कालीन अध्यक्ष मार्केटिंग सोसाईटी एवं वर्तमान विधायक सूबेदार सिंह सिकरवार अध्यक्ष रहते संचालक मण्डल के समस्त अधिकार प्राप्तकर इस भूमि पर दुकान निर्माण कराकर अवैध लाभ प्राप्त कर दुकानों का विक्रय कर दिया था। इस मामले में मेरी शिकायतों के आधार पर न्यायालय कलैक्टर मुरैना में प्रकरण क्रमांक 0032/127/2017-18 दर्ज किया गया था। मामले में कलैक्टर मुरैना के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जौरा द्वारा जांच कर प्रतिवेदन 03/07/2019 को कलैक्टर मुरैना को भेजा था। अनुविभागीय अधिकारी जौरा के प्रतिवेदन में मार्केटिंग सोसाइटी जौरा द्वारा तत्कालीन हलका पटवारी से सांठगांठ कर अवैध रूप से सोसाईटी के नाम इंद्राज किया जाने का उल्लेख किया गया। मार्केटिंग सोसाईटी जौरा द्वारा सांठगांठ कर औकाफ भूमि को अपने नाम इंद्राज कराना,उक्त भूमि पर दुकान निर्माण कराना एवं अवैध लाभ प्राप्तकर उक्त दुकानों का विक्रय करना कदाचार की श्रेणी में आता है। यह मामला कई बर्षों से कलैक्टर कार्यालय में लम्बित है। विभाग के आला अधिकारियों के साथ दीर्घ पत्राचार एवं अधिकारियों के निर्देशों के बावजूद कलैक्टर मुरैना स्वयं आज तक इस मामले में कोई निर्णय नहीं कर सके हैं। मिश्र ने बताया कि लम्बे समय तक मामला अनिर्णीत रहने से क्षुब्ध होकर उन्होंने इस मामले में म.प्र. उच्च न्यायालय में जनहित याचिका क्रमांक 19772/2021 दायर की। उपरोक्त जनहित याचिका में माननीय उच्च न्यायालय ने कलैक्टर मुरैना से न्याय करने का विश्वास व्यक्त करते हुए मामले में निर्णय करने की मंशा जाहिर की है। प्रार्थी द्वारा मामले में उच्च न्यायालय के निर्देशों की जानकारी दिये जाने के बावजूद कलैक्टर मुरैना द्वारा अभी तक कोई फैसला नहीं दिया गया है। मिश्र ने उपरोक्त मामले में कलैक्टर मुरैना पर विधानसभा के प्रश्नोत्तर दिनांक 23 जुलाई 2019 में अनुपालन संबंधी आश्वासन, म.प्र.शासन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के पत्र क्रमांक 1706/1355/2016/06 दिनांक 30/07/2016 के अनुपालन संबंधी निर्देश, आयुक्त ग्वालियर संभाग ग्वालियर माफी औकाफ शाखा आयुक्त द्वारा कलैक्टर मुरैना को लिखे पत्र क्रमांक क्यू/मा.औ./शिकायत/18 ग्वालियर दिनांक 18/01/2021 की अनदेखी कर आरोपी को बचाने का आरोप लगाया है।

पूर्व सहकारिता मंत्री भी लिख चुके हैं नोटशीट

पूर्व विधायक महेशदत्त मिश्र ने जौरा विधायक सूबेदार सिंह सिकरवार के खिलाफ भृष्टाचार के मामलों में सार्थक एवं निर्णायक कार्यवाही किये जाने हेतु नोटशीट लिखे जाने का खुलासा करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिनांक 13/08/2015 को मुख्य सचिव को लिखे पत्र के संदर्भ में तत्कालीन पंचायत एवं ग्रामीण विकास,सामाजिक न्याय एवं निश्क्तजन कल्याण मंत्री गोपाल भार्गव भी प्रमुख सचिव सहकारिता को 15 दिवस में स्पष्ट अभिमत सहित सार्थक एवं निर्णायक कार्यवाही किये जाने हेतु नोटशीट लिख चुके हैं। व्यापक स्तर पर आला अधिकारियों एवं मंत्रियों द्वारा कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के बावजूद जौरा विधायक के खिलाफ एकाधिक प्रमाणित भृष्टाचार के मामलों में कोई कार्यवाही नहीं होने से मुख्यमंत्री का भृष्टाचार के मामलों में जीरो टोलरेंस के दावे करना हास्यास्पद ही नहीं अपितु व्यवस्थाओं का मजाक उड़ाने वाला है। मिश्र ने जौरा विधायक सूबेदार सिंह सिकरवार के जांच मैं सत्य पाये जाने बाले कई मामलों में अपेक्षित कार्यवाही नहीं होने पर जनान्दोलन किये जाने की भी घोषणा पत्रकारों के सामने की है।

नजमा बेगम बनी महिला कांग्रेस की शहर अध्यक्ष

मुरैना। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह की अनुशंसा पर मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल द्वारा वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती नजमा बेगम को जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस शहर बनाया गया। नजमा बेगम को जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस शहर बनाए जाने पर श्रीमती नजमा बेगम ने मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेतृत्व एवं जिले के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया है। वहीं नजमा बेगम ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है, उसे में पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगी।

श्रीमती बेगम के अध्यक्ष बनने से महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। हर्ष व्यक्त करने वालों में मुरैना विधायक राकेश मावई, सबलगढ़ विधायक बैजनाथ कुशवाह, दिमनी विधायक रविन्द्र सिंह तोमर भिड़ोसा, सुमावली विधायक अजब सिंह कुशवाह, मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुर्जर,

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक शर्मा, प्रदेश महामंत्री भगवान सिंह तोमर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यपाल सिंह कुशवाह, हरिशंकर सिकरवार, रक्षपाल सिंह तोमर बाबूजी, राजेन्द्र प्रसाद सोलंकी, राकेश यादव, सोबरन सिंह, रामलखन डंडोतिया, वीरेंद्र हर्षाना, रघुनंदन कुशवाह, जसवीर गुर्जर, मदन शर्मा, पंकज उपाध्याय, राजेन्द्र यादव, विक्रमराज मुद्गल, अब्दुल रज्जाक पटेल, सुभाष सिंह सिकरवार, मनोज सिकरवार, रवि उपाध्य, प्रेमकुमार बंसल, शशी सक्सेना, परमानंद शर्मा, सौरभ सोलंकी, रमेश अर्गल, गजेन्द्र सिंधी, असगरी खान, रामू टुंडेलकर, मनीष स्वामी, सर्फुद्दीन खान, दुर्गेश राजे, आकाश रावत, दीपक सोलंकी आदि प्रमुख है।

परमार्थ न्यास पर साड़ी एवं चश्मों का हुआ वितरण, 24 मरीजों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

मुरैना। रविवार को मेजर राम कुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस पाठ के साथ आए 183 मरीजों ने अपना परीक्षण कराकर उपचार कराया। परमार्थ न्यास पर दंत रोग के 92, नाक कान गला 9, सर्जरी 7, अस्थि रोग 13, नैत्र रोग 23 मरीज उपस्थित रहे। न्यास पर 19

ब्लड प्रेसर की जाँच , ई.सी.जी की दो जांच की गई। इसके अलावा इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 39 नशा छोड़ने का संकल्प दिलाया गया। मरीजों का परीक्षण एवं उपचार करने वाले चिकित्सकों में डॉ एस.के.गुप्ता, डॉ पुलकित शर्मा, डॉ स्वेता शर्मा के अलावा अन्य सेवाभावी लोग जिनमें सरिता, कस्तूरी, राजश्री, सुरेश महेश्वरी, भगवान शर्मा, संतोषीलाल, राम सहाय मुद्गल, रमेश बाऊजी, मयूर अग्रवाल, दीपू तोमर, अनुपम महाराज, मनीराम, श्याम शर्मा, होतम, लफूरी, प्रकाश आदि ने निःशुल्क सेवाए प्रदान की।

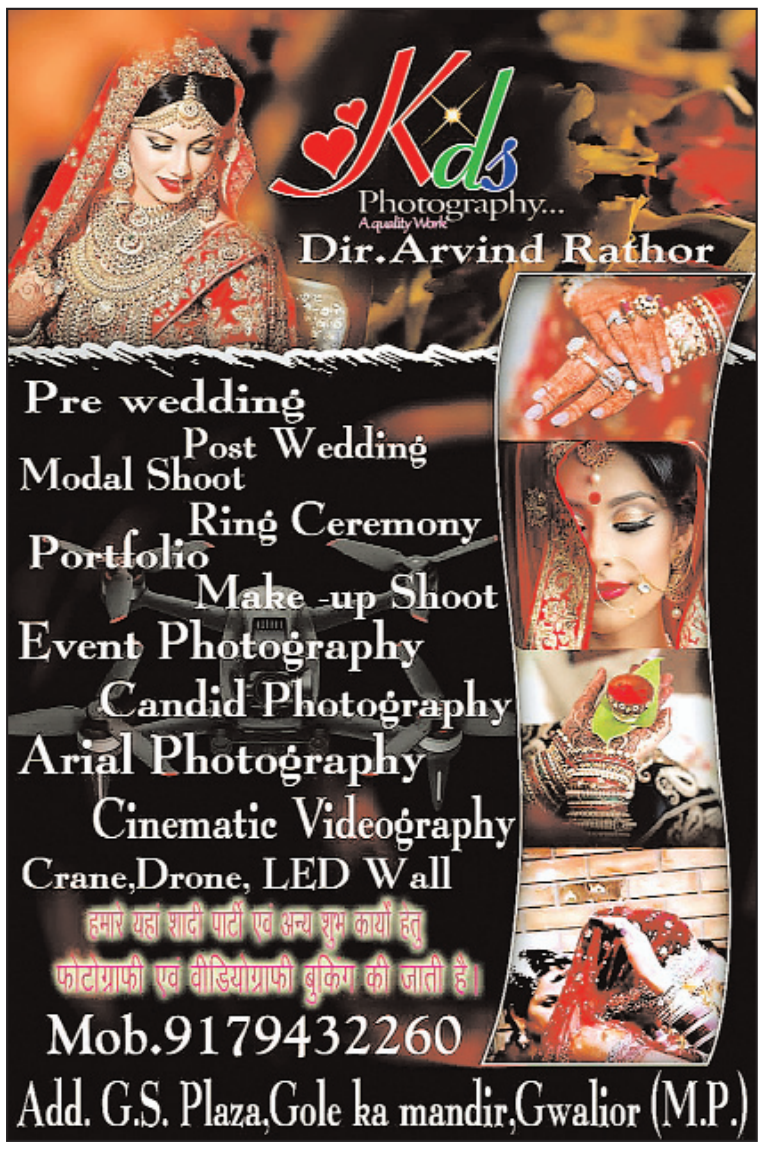

तंबाकू उद्योग, जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाता हैः भदौरिया

हस्ताक्षर कर लोगों ने ली तंबाकू ना खाने की शपथ

मुरैना। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष में मुरैना घरौना मंदिर क्षेत्र में म.प्र. वॉलन्ट्री हेल्थ एसोसिएशन एवं धरती संस्था मुरैना द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से तम्बाकू नियंत्रण के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को तंबाकू उन्मूलन की शपथ दिलाई गई व पेम्पलेटो का वितरण किया गया। हस्ताक्षर अभियान में आए लोगो द्वारा मौके पर ही तम्बाकू ना खाने एवं परिवार, आस पड़ोस के लोगों को भी तम्बाकू ना खाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर धरती संस्था के संचालक देवेन्द्र भदौरिया ने बताया कि तंबाकू के सेवन से मानव

समाज को व्यापक नुकसान पहुंचता है। हर साल इसकी वजह से देश में लाखों लोग गंभीर जानलेवा बीमारियों की चपेट में पड़ कर अपनी जान गंवा रहे हैं। तम्बाकू के सेवन से होने वाले नुकसान व शरीर पर पड़ने वाले इसके नकारात्मक प्रभावों के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को इसके हानिकारक प्रभाव से अवगत कराते हुए इसकी लत को त्यागने के लिये प्रेरित व जागरूक करना है। धरती संस्था द्वारा इसे लेकर जरूरी तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2022 की थीम ''तंबाकू हमारे पर्यावरण के लिए खतरा'' निर्धारित की गई है। तंबाकू उद्योग, जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाता है।

सोमवती अमावस्या को गंगा स्नान को जा रहे लोगों का भव्य स्वागत कर किया रवाना

झुण्डपुरा। इस वर्ष सोमवार को विशेष संयोग बन रहा है, सोमवती अमावस्या के साथ शनि जयंती, वट अमावस्या होने से इसका ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बहुत महत्व बढ गया है, इसी को देखते हुए लोग गंगा स्थान के लिए जा रहे है।

विदित हो कि प्राचीन चामड़ माता मंदिर के भगत बच्चू सिंह के नेतृत्व में एक जत्था सोमवती अमावस्या के शुभ अवसर पर मैया सहित विभिन्न देवी-देवताओं को स्नान कराने के उद्देश्य से गंगा जी के लिए रवाना हुए। गंगाजी स्नान को जाने से पूर्व स्थानीय लोगों के साथ चामड़ मैया सहित देवी देवताओं की विधिवत पूजा अर्चना कर साथ चलकर

स्नान करने की प्रार्थना स्थानीय लोगों के साथ की। भगत बच्चू बाबा ने बताया कि जनकल्याण एवं विश्व शान्ति के देवी देवताओं की पूजा अर्चना कर गंगा स्नान करने के लिए चलने का आग्रह किया गया। पण्डित रमेश चंद्र बुधौलिया ने बताया कि सोमवार को विशेष संयोग बन रहा है। इस दिन सोमवती अमावस्या के साथ शनि जयंती तथा वट अमावस्या है। इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है व इस दिन दान-पुण्य तथा भोजन करने का विशेष महत्व है, साथ ही शनिदेव का विशेष पूजन किया जाता हैं। इस दिन वटवृक्ष की भी पूजा अर्चना करने से विशेष लाभ होता है। सोमवती अमावस्या पर पितरों को प्रसन्न करने के लिए स्नान तथा तर्पण करना चाहिए। इस दौरान भगत बच्चूसिंह सिकरवार, नारायण सिंह, माताप्रसाद शर्मा सहित गये लोगों का लाला सिंह, अनिल बुधौलिया, विनीत शर्मा, हेमंत शर्मा, अभय लालू शर्मा, बलबीर सिंह, श्रीनिवास भोला प्रजापति, बीरेन्द्र प्रजापति ने भव्य स्वागत कर गंगा स्नान के लिए रवाना किया।

अजीत जोगी की द्वितीय पुण्यतिथि : चुनौतियां देने और चुनौतियों का सामना करने में जिन्हें आता था आनंद

अश्वनी अवस्थी ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

छत्तीसगढ। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। भारत में छत्तीसगढ़ प्रदेश की पहचान स्थापित करने में जिन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनमें छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री स्व.अजीत जोगी अग्रगण्य हैं. स्व. अजीत जोगी का व्यक्तित्व विलक्षण था. एक प्रशासक, शासक, राजनेता, लेखक, रचनाकार, विचारक, चिंतक, खेलप्रेमी, अदम्य साहस और इच्छाशक्ति जैसी अनेक विवधताएं उनमें समाहित थीं. अध्ययन में गहरी रुचि रखने वाले स्व.जोगी की स्मरण शक्ति अद्भुत थी.

तत्कालीन मध्यप्रदेश और अब छत्तीसगढ़ प्रदेश के गौरेला में 29 अप्रेल 1946 को एक साधारण अध्यापक दंपत्ति के परिवार में अजीत जोगी का जन्म हुआ, और 29 मई 2020 को निधन. इस बीच की जीवन यात्रा में अजीत जोगी ने अनेक कीर्तिमान गढ़कर अपने ही नाम अजीत को सार्थक किया. आरंभ से ही अजीत को चुनौतियां देने और चुनौतियों का सामना करने में आनंद आता था. पिता से शिकार के दांव पेंच की कला बाल्यकाल में ही सीखकर इनका प्रयोग अपने राजनीतिक जीवन में भरपूर किया. शिकारी की भांति घात लगाना वार करना और शिकार करना अजीत जोगी की जीवनशैली का अविभाज्य अंग है. अजीत जोगी की संकल्प शक्ति उन्हें अपराजेय बनाती थी.भोपाल के प्रतिष्ठित मौलाना अबुल कलाम आजाद यांत्रिकी महाविद्यालय से इंजीनियरिंग में उत्तीर्ण होने में अंको के अर्जित करने में स्थापित कीर्तिमान आज भी यथावत है. इसके पश्चात इंजीनियरिंग कालेज में व्याख्याता, आईपीएस, आईएएस में चयनित होकर लगातार तेरह वर्षों तक कलेक्टर पद पर कार्य करने का भी दुर्लभ कीर्तिमान अजीत जोगी के ही नाम है. भारतीय प्रशासनिक सेवा जैसी आकर्षक सेवा त्याग कर राजनीति में प्रवेश किया और कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए. कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता का दायित्व संभालते हुए भारत में अच्छी ख्याति अर्जित की. राजनीति में उन्होंने बहुत से मित्र और शुभचिंतक बनाये वहीं राजनैतिक शत्रुता भी शिद्दत से निभाई. अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं करते थे, चाहे कोई प्रशंसा करे या आलोचना, कांग्रेस से इतर भी उनके घनिष्ठ मित्रों की संख्या पर्याप्त थी तो शत्रु भी कम नहीं थे. छत्तीसगढ़ का गठन हुआ तो अपनी जोड़ तोड़ की पारंगता का भरपूर उपयोग कर राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बने और राज्य के लिये ऊंचे सपने देखे,उन्हें सपनों का सौदागर भी कहा जाता है. मुख्यमंत्री की पारी छोटी रही किंतु पूरे भारत का ध्यान आकर्षित किया. 2003 के विधानसभा चुनावों में असफलता उनके जीवन का अंधेरा पक्ष है और उनके विरोधियों ने खुलकर वार किया. लोकसभा चुनाव में महासमुंद से चुनाव लड़े हुय चुनाव की जंग तो जीत गये, मगर कार दुर्घटना में अपने पैरों पर खड़े न हो सके. इसके साथ ही उनके अदम्य साहस और इच्छशक्ति भी संसार ने देखी और उन्होंने जीते जी कभी हार नहीं मानी. भूपेश बघेल से राजनैतिक शत्रुता से कांग्रेस छोड़कर नये क्षेत्रीय दल का गठन किया और अपने कौशल से विधानसभा की पांच सीटों पर पार्टी ने सफलता प्राप्त की. अपने निवास में टहलते हुये गंगा इमली का बीच गले में फंस गया और अंततः 29 मई 2020 को छत्तीसगढ़ के इस अपराजेय योद्धा ने अंतिम सांस ली. प्रदेश और देश में अजीत जोगी के निधन से शोक छा गया और एक विशेष युग का अंत हो गया. अजीत जोगी पूरे जीवन वंचितों के लिए संघर्ष करते रहे और वंचित जन भी उन्हें अपने दिल में बसा कर रखते थे. राजनीति के क्षितिज में उड़ते हुये भी अजीत जोगी अपनी माटी से अभिन्न रहे और निधन के उपरांत उनकी देह अपने जन्मस्थान गौरेला की मिट्टी में मिल गई।

ग्राम अगोरा मे निकली भव्य कलश यात्रा साथ भागवत कथा प्रारम्भ।

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे

ग्राम अगोरा में राम जानकी मंदिर पर भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय भागवत कथा प्रारम्भ हुई। जिसमें कथा व्यास आचार्य मधुसूदन शास्त्री जी के द्वारा भागवत कथा का सुनने का सौभाग्य प्राप्त होगा । मुख्य यजमान के रूप में श्रीमती वर्षा राजा कुंवर साहब नरेंद्र सिंह बुंदेला जी साहित समस्त ग्रामवासी द्वारा आयोजन किया जा रहा है। कलश यात्रा मे समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे

पार्सल ट्रेनों का भी तय होगा समय, यात्रियों की तरह सामान भी वक्त पर पहुंचेगा

भोपाल। यात्रियों की तरह अब सामान भी तय समय पर एक से दूसरे स्टेशनों तक पहुंच सकेगा। रेलवे तय समय पर सामान की डिलीवरी देने के लिए पार्सल ट्रेनों के चलने का समय तय करने जा रहा है। अभी यह तय नहीं था, लेकिन रेलवे ने इसकी घोषणा कर दी। संबंधित रेल मार्गों पर व्यापारियों, किसानों और उद्योगपतियों द्वारा निर्धारित माल परिवहन के लिए यात्री ट्रेनों की तरह पार्सल ट्रेनों की समय सारणी भी बनाएंगे और उस सामान को निर्धारित समय में संबंधित स्टेशनों तक छोड़ेंगे। अभी यात्री ट्रेनों का ही चलने/ठहरने का समय तय है, लेकिन पार्सल ट्रेनों का समय तय नहीं है। इसलिए ये ट्रेनें कभी भी, कहीं भी रोक दी जाती है। पहले यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता के साथ गुजारा जाता है, इसलिए इन ट्रेनों में माल परिवहन समय पर नहीं हो पाता और माल की डिलीवरी तय समय पर नहीं मिलती है। यह विलंब माल जिसके लिए भेजा है, उसके लिए परेशानी का कारण बन जाता है। रेलवे के वरिष्ठ प्रवक्ता सूबेदार सिंह ने बताया कि भोपाल मंडल रेल प्रशासन उद्योग, व्यापार जगत के लिए माल परिवहन सेवा के क्षेत्र में एक और बड़ी सुविधा देने जा रहा है। भोपाल मंडल से समय सारणी आधारित पार्सल एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है। जिसके तहत समय पर ट्रेन को माल लेकर रवाना किया जाएगा और अंतिम स्टेशन पर भी संबंधित ट्रेन समय पर पहुंचेगी।

विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश के नेतृत्व मैं ग्वालियर मैं टीशर्ट पहनकर दर्जनों लोगों ने ली प्राथमिक सदस्यता

महेन्द्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

ग्वालियर। डॉ बेताल विश्वकर्मा से प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 29 मई को विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश द्वारा आयोजन किया गया जिसमें विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ लोगों की उपस्थिति मैं दर्जनों लोगों द्वारा संगठन की प्राथमिक सदस्यता ली गई । संगठन के प्रदेशाध्यक्ष मनोज विश्वकर्मा ने समस्त विश्वकर्मा वंशियों को कहा कि अब समाज के सभी लोगों को एकजुट होने का समय आ गया है तथा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मे ज्यादा से ज्यादा लोगों को चुनाव लड़वाने की बात कही और तन मन धन से सहयोग विश्वकर्मा समाज करेगी इसी बीच समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री मोहन विश्वकर्मा जी एवं श्री लखनलाल विश्वकर्मा जी द्वारा संगठन के लोगों को मार्गदर्शन दिया गया तथा समाज को एकजुट करने की बात कही । कार्यक्रम मे उपस्थित संतोष विश्वकर्मा , बेताल विश्वकर्मा , सुनील विश्वकर्मा , प्रीतम पांचाल , पवन विश्वकर्मा , रामनारायण विश्वकर्मा , मोनू विश्वकर्मा , राजेन्द्र विश्वकर्मा, राघवेंद्र विश्वकर्मा , संदीप विश्वकर्मा , राकेश विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा ,घनश्याम विश्वकर्मा , भगवती शरण विश्वकर्मा , भगवत विश्वकर्मा , रविशंकर विश्वकर्मा , नरेश पांचाल , रंजीत विश्वकर्मा , वीरसिंह विश्वकर्मा , गोविंद विश्वकर्मा , भारत विश्वकर्मा , भगवानलाल विश्वकर्मा रामजीवन विश्वकर्मा , रामरूप विश्वकर्मा , देवेंद्र विश्वकर्मा , किशनलाल विश्वकर्मा इत्यादि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

गोरमी क्षेत्र के आरोली सुकण्ड मे बिजासन माता मंदिर पर हो रहा है श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

संतोष सिंह भदोरिया

गोरमी /श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का अनुष्ठान बीजासन माता मंदिर ग्राम आरोली सुकाण्ड गोरमी तहसील मेहगांव जिला भिंड मध्य प्रदेश सुप्रसिद्ध कथा वाचक भागवताचार्य बाल विदुषी अनमोल श्री के द्वारा कथा का प्रसंग मंगलाचरण श्री भागवत भगवान की आरती से प्रारंभ होकर भगवान के 24 अवतार एवं सती अनुसुइया की पावन पवित्र तथा का वर्णन करते हुए सुश्री ने बताया के भक्ति में कितनी बड़ी ताकत होती है तीनों देव पालना में खिला दिया आगे के प्रसंग में हिरण्यकश्यप रुद्राक्ष की कथा का बारा भगवान का अवतार विस्तार से किया गया संगीतमय भागवत इस क्षेत्र में अलौकिक धार्मिक गंगा का प्रवाह हो रहा है जनमानस अपने जीवन को धन्य मान रहा है बाल विदुषी सुश्री अनमोल सरस मधुर भाषा शैली में धार्मिक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली कर दिया गुर्जर समाज की बाल विदुषी ने गुर्जर क्षेत्र में अपनी अनुपम कथा शैली से क्षेत्र की जनता ही नहीं अपितु माताएं बहने अपने आपको धन्य मान रहे हैं कि हमारा जन्म कृतार्थ हो गया हमारे कुल की कन्या के मुखारविंद से संगीतमय कथा प्रथम* इस क्षेत्र में गौतम ऋषि की तपोभूमि गर्मी पर क्षेत्र में कुंवारी नदी के तट पर मां बिजासन माता के मंदिर में भक्ति रस की गंगा बह रही है समस्त धर्म प्रेमी बंधुओं से निवेदन है अधिक से अधिक संख्या में आएं और अपने जीवन को धन्य करें

भाजपा पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ ने श्रद्धांजलि अर्पित की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । शहीद चौक पर भारतीय जनता पार्टी पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ ने अपनी समस्त टीम के साथ दुर्भाग्यवश दुर्घटना घटित हुई लद्दाख स्योक रिवॉल्ट की घाटियों में सेना की बस का खाई में गिरने से शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं जो घायल हुए हैं उनके लिए ईश्वर से जल्दी स्वस्थ होने की प्रार्थना की ! इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राकेश सिंह (दीपू), मदन पाल सिंह परम सिंह, सूरज सिंह,देवेंद्र सिंह, सुरेश सिंह देवेंद्र सिंह,कैलाश सिंह, महेश सिंह गोपाल सिंह एवं आदि प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित रहे

डॉक्टर महेन्द्रसिंह राजपुरोहित को अध्यायन अवार्ड नाइट मैसूर के तहत स्वर्ण पदक देकर किया सम्मानित

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु –रोटरी क्लब जिला मैसूरु आरआई 3181 के तत्वावधान में ÷अध्ययन अवार्ड नाईट मैसूरु÷ का दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ हुआ द्य आयोजन के मुख्य अतिथि मैसूरु जिला रोटरी गवर्नर रविंद्र भट्ट,विक्रम दत्ता,केशव तथा कन्नड़ टीवी धारावाहिक अदाकारा प्रियंका रहे द्य कार्यक्रम में पल्स पोलियो अभियान के चेयरमैन व समाजसेवी बनूर महेंद्र सिंह राजपुरोहित को अध्यायन अवार्ड नाइट मैसूरु के तहत स्वर्ण पदक दे कर सम्मानित किया गया द्य गवर्नर ने बनूर महेन्द्र सिंह राजपुरोहित के द्वारा जनहित में पल्स पोलियो अभियान निशुल्क संचालित किये गये द्य रक्तचाप जांच,नेत्र जांच, शुगर व हृदय जांच आदि से ओर से जरूरतमंद लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर जिसमें रक्तचाप नेत्र जांच हृदय संबंधी जांच शिविर आदि स्वास्थ्य जांच शिविर संचालन व लोगों को पर्यावरण संरक्षण संदेश तथा रोटरी स्कूल के विद्यार्थियों को टेब व टैबलेट टेब वितरण करने की सम्पूर्ण जानकारी दी गई इस अवसर पर रोटरी क्लब अध्यक्ष वासुदेव,सचिव राजेंद्र, सदस्य केंपेगौड़ा,प्रसन्ना,नागराजू, मुरली गोपाल,डॉ.राजीव, पुट्टराजू, मरी स्वामी,जयरामे गौड़ा रोटरी पूर्व गवर्नर रंगनाथ भट्ट आदि उपस्थित रहे द्य

हमे न्याय नही मिला तो 30 मई के वाद आयोजित होगा महाआंदोलन

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गाने वाले कलेक्ट्रेट परिसर के पास लगभग 7 दिनों से कोली समाज द्वारा धरना चलाया जा रहा है कबीर साहेब के अनुयाइयों का कहना है, की, जिला शिवपुरी द्वारा ग्राम बांमोर कला तहसील खनियाधाना पर श्रीमान एस डी एम महोदय श्री जे पी गुप्ता जी द्वारा कबीर आश्रम बामोरकला पर बगैर सूचना नोटिस दिए, पुलिस प्रसासन राजस्व निरीक्षक द्वारा तस्वीर को फेक दिया आश्रम में ताला डाल दिया,खोड़ मंडल अध्यक्ष आनन्द कोली एवं समाज के व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि हम लोगो को ग्राम पंचायत की अनुमति थी,जबकि कुछ लोगो की वातो में आकर, गलत तरीके से,हम लोगो के ऊपर कार्यवाही की है, एस डी एम श्री गुप्ता जी पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए,कहा कि विशेष वर्ग के लोगो को संरक्षण दे रहे हैं, हम लोगो को प्रताणित कर रहे हैं, श्रीमान जिलाधीश महोदय शिवपुरी को जानकारी दी जा चुकी हैं कि संजय कबीर ,कमल किशन ने कहा कि सरकार हमारे धैर्य की परीक्षा न ले,यदि 30 मई तक हमारी मांगो पर उचित निर्णय नही होता है, तो हमको आंदोलन का बड़ा कदम उठाना पड़ेगा,एस डी एम पिछोर एव दोषी अधिकारियों को निलंबित कर,एफ आई आर दर्ज कार्यवाही की जावे, एवं प्रसासन सम्मान पूर्वक श्री सदगरू कबीर साहेव की की मूर्ति स्थापित करे, यदि कार्यवाही नही होती है, तो पूरे मध्यप्रदेश में आंदोलन होगा,ये हमारे आस्था की हत्या है।

कबीर पंथ के लोगो का 7 वा दिन धरना जारी रहा,

हमारी धार्मिक भावनाओं की हत्या,

समस्त सद गुरू कबीर साहेव के अनुयाइयों में भारी रोष व्यापत होता जा रहा है,

त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त बैठक संपन्न

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में हुई बैठक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार भिण्ड जिले में पंचायत निर्वाचन निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिये कानून व्यवस्था, सम्पत्ति विरूपण, अस्त्र शस्त्र एवं विस्फोटक परिवहन, कोलाहल नियंत्रण, सोशल मीडिया, सहित अन्य आदेशों के संबंध में पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त बैठक जिला पंचायत भिण्ड के सभागार में आयोजित की गई। इस दौरान एडीएम प्रवीण फुलपगारे, एएसपी कमलेश कुमार, एसडीएम लहार आरए प्रजापति, एसडीएम मेहगांव वरुण अवस्थी, एसडीएम भिण्ड-अटेर उदय सिंह सिकरवार, डिप्टी कलेक्टर पराग जैन, सभी एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

उन्होंने निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिये निम्न कार्यवाहियों को त्वरित रूप से सम्पादित करने आवश्यक निर्देश दिए। जिसके अंतर्गत उन्होंने निर्देश दिये कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 के अन्तर्गत मतदान दिनांक से युक्तियुक्त समय पूर्व सीमाओं को सील कर सघन जांच करायी जाये। इस हेतु विशेष रूप से अन्तर्राज्यीय की सीमाओं पर आवश्यकतानुसार चेक पोस्ट स्थापित किये जायें। जिले में प्रदेश के अन्य जिलों से आने वाले वाहनों की सघन जांच की जाये। उन्होंने कहा कि रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, धर्मशालाओं तथा होटलों पर आने वाले मुसाफिरों की आमद की जांच की जाये। सघन जांच में अवैध अस्त्र शस्त्रों के संग्रहण का विशेष रूप से ध्यान रखा जाये। संवेदनशीलता का आंकलन कर पुलिस बल का वितरण किया जाये। इस कार्य हेतु विगत नगरीय निकाय, पंचायत, विधानसभा, लोकसभा निर्वाचन में हुयी हिंसा तथा ग्राम में पार्टी बंदी तथा स्थानीय विवादों को ध्यान में रखा जाये। पंचायत निर्वाचन क्षेत्रों में मोबाइल ईकाइयां इस प्रकार से रखी जाकर यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई न कोई मोबाईल 15 मिनट के अंतराल में प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पहुँचे जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र डोमीनेशन में रहे। निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए शस्त्र/ अस्त्र शत् प्रतिशत जमा कराये जायें। शस्त्र/ अस्त्र लेकर चलने पर सख्त पाबंदी रखी जाये। नियत अवधि के पश्चात् शस्त्र जमा न कराने वाले शस्त्र लायसेंस धारियों के शस्त्र निरस्तीकरण की कार्यवाही त्वरित गति से की जाये। अतिविशिष्ट व्यक्तियों के आगमन पर आयोजित सभाओं में वर्गीकरणानुसार सुरक्षा व्यवस्था रखी जाये। असामाजिक तत्वों तथा आपराधिक व्यक्तियों के विरूद्ध प्रतिबन्धात्मक कार्यवाही की जाये। संबंधित थाना प्रभारी तथा कार्यपालिक दण्डाधिकारी मौके पर ही प्रतिबन्धात्मक कार्यवाही कर बॉण्ड ओवर की कार्यवाही करें। अवैध शस्त्रों तथा अवैध शराब की जब्ती की कार्यवाही की जाये। सभी न्यायालयों द्वारा जारी वारण्टों को शीघ्र अतिशीघ्र तामीलें कराई जायें।

मुरैना एसपी आसुतोष बागरी ने शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव करवाने के लिये समस्त एसडीओपी व थाना प्रभारियो बुलाकर किया एक्शन प्लान तैयार

केशब पंडित जी चम्बल ब्यूरो*???

मुरैना... आज रबिवार को आगामी दिनों में होने वाले नगरी निकाय व पंचायत चुनावों की गतिविधियां को लेकर राजस्व व पुलिस प्रसासन की अहम मीटिग हुई जिसमे मुरैना पुलिस अधीक्षक आसुतौष बागरी ने जिले के समस्त एसडीओपी व थाना प्रभारियो को बुलाकर शांतिपूर्ण ढंग से इस चुनाव संपन्न करवाने के लिए एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। जिसके चलते अवैध हथियार और शराब की तस्करी रोकने के लिए जिले के सभी बॉर्डरों पर नाकाबंदी किए जाने हेतु प्लानिग को तैयार किया जा रहा है श्री बागरी ने बताया कि पहले जिले में होने वाले चुनावों में हिंसा व गोलीबारी की घटनाएं आम बात थी, लेकिन इस बार शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव करवाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं, और जो भी माहौल खराब करने का प्रयास करेगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई

अवैध हथियार और शराब की तस्करी रोकने जिले के सभी बॉर्डरों पर करे नाकाबंदी

की जाएगी। एसपी आसुतोष बागरी का कहना है कि शांतिपूर्ण चुनाव निपटाने को हमें दूसरे राज्य से आने वाले अवैध शराब हथियार पर रोक लगाना होगी, जिसके लिए जिले की सभी सीमाओं पर नाके स्थापित किए जाएंगे, जहां से हर आने-जाने पर राउंड द क्लॉक नजर रखी जाएगी। यहां बताना गौरतलब होगा, कि श्री बागरी पहले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पदस्थ थे, तब उन्होंने यहां भी एक अभियान चलाया था, जिसके तहत अवैध हथियार तस्करी सहित अन्य गैरकानूनी कार्यों में संलिप्त पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन एवं लाइन अटैच जैसी कार्रवाई की गई थी। अब जिला पुलिस

कप्तान की कमान संभालते ही उन्होंने यहां भी अपने अधीनस्थों को स्पष्ट हिदायत दे दी है, कि यदि कोई वर्दीधारी अवैध गतिविधियों में संलग्न पाया जाएगा, तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बामौर नूराबाद जौरा कैलारस पहाडगढ सबल गढ अम्बाह पोरसा दिमनी महुआ नगरा उसैथ आदि जगहो के बदमाश होंगे बाउंड ओवर पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए एसपी बागरी ने पूरी तैयारी कर ली है। जिसके तहत उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र के गुंडे-बदमाशों को बाउंड ओवर किए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं,अगर फिर भी कोई नही मानता है तो 122 के तहत कारबाही जरूर करे वहीं संवेदनशील पंचायतों में बदमाश किस्म के लोगों को चिन्हित कर उन पर विशेष नजर रखी जाएगी। उधर बॉर्डर चेकिंग के लिए पुलिस अधीक्षक ने कलेक्टर को प्रस्ताव भेजने अनुमति लेली है बता दें कि इस बार पंचायत के चुनाव तीन चरणों में संपन्न कराए जाएंगे। जिसमें पहले ही चरण में यहा चुनाब होगे जिसके लिए पंचायत क्षेत्रों में निवास करने वाले सभी लायसेंसी शस्त्रधारियों को हथियार 1 जून से 5 जून तक अनिवार्य रूप से जमा करवाना होंगे उधर अम्बाह डिबीजन के बरबाई रतन बसई होलापुरा घाट, व उसैद घाट नगरा घाट कुथियाने घाट, के बॉर्डर पर अधिक सख्ती बरती जाये पंचायत चुनाव में हिंसा की वारदातों को रोकने के लिए यूं तो पुलिस द्वारा जिले की सभी सीमाओं पर राउंड द क्लॉक नजर रखी जाएगी, लेकिन एमपी-यूपी को जोड़ने वाले उसैथ, होलापुरा, बरसलो, नगरा, कुथियाने, के बॉर्डर पर अधिक सख्ती बरती जाएगी। क्योंकि सबसे अधिक हथियारों की खेप इसी रास्ते से होकर आती है, इसलिए यहां विशेष चेकिंग प्वॉइंट लगाया जावेगा

युवा मोर्चा द्वारा जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता संपन्न।

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

पत्रा । भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार युवा मोर्चा के संभागीय प्रभारी शिवम तिवारी जिला प्रभारी अमृतांश पाठक भाजपा जिला अध्यक्ष राम बिहारी चौरसिया के आवाहन पर एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भास्कर पांडे के नेतृत्व में आयोजित यूथ कनेक्ट को लेकर विधानसभा वार भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिले की तीनों विधानसभा से चयन उपरांत प्रतिभागियों का जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में सभी को सम्मिलित किया गया। भाजपा कार्यालय पत्रा में आयोजित भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम में निर्धारित विषयों के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली विदयांशी विश्वकर्मा को 3100 एवम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शुभम द्विवेदी 2100 एवं तृतीय अंकुल शर्मा को 1100 रुपये की प्रोत्साहित राशि के साथ प्रमाण पत्र शील्ड प्रेषित की गई।

जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री विवेक मिश्रा भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी रविराज सिंह यादव अंकुर त्रिवेदी

जिला कार्यालय मंत्री अभिलाष साहू प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा आशा गुप्ता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रप्रभा तिवारी युवा मोर्चा के जिला महामंत्री शशांक वर्मा वीरेंद्र बाजपेई युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पुनीत जयसवाल शिवव्रत परमार हरिओम असाटी सूर्य प्रताप सिंह गजेंद्र सिंह

जिला मंत्री शैलेंद्र सिंह ध्रुव चौबे अंकित रैकवार सचिन देव अरजरिया राजेश साहा रिसर्च एंड पॉलसी के जिला प्रभारी आकांक्षा यादव पवन शर्मा संजय यादव भूपेंद्र सिंह संस्कार जैन कान्हू राजा

युवा मोर्चा जिले के मंडल अध्यक्षों में अंकित शर्मा पूरन यादव धर्मेंद्र अवधिया अंकित मौर्य उमेश पाठक विनोद तिवारी बालमुकुंद गौतम आदि युवा मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

12 सदस्यीय कमेटी गठन के साथ गोहद (जिला भिंड) तहसील सम्मेलन सफल हुआ

महेन्द्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

भिंड। 24 मई 2022 को भिंड जिले के गोहद नगर का तहसील सम्मेलन संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत सरोज श्रीवास जी द्वारा शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित कर दिया गया, तत्पश्चात नगर सचिव शोभा माहौर द्वारा रिपोर्ट रखी गई जिस पर रजनी नामदेव, रेखा, रीना, मुन्नी, प्रकाशवती नामदेव सहित लगभग 10 महिलाओ ने रिपोर्ट पर चर्चा की एवं सर्वसम्मति से रिपोर्ट पास किया तथा जिसमें शोभा माहौर,गुड्डी बाई माहौर,मीरा प्रजापति,अनिता गोस्वामी, सरोज श्रीवास, देवी जाटव, प्रेमवती प्रकाशवती नामदेव, भारती कुशवाहा, सुनीता कुशवाहा, त्रिवेणी कुशवाहा व मुन्नीबाई सहित 12 सदस्यीय कमेटी गठित की गई तथा शोभा माहौर को पुनः नगर सचिव एवं गुड्डी माहौर को नगर अध्यक्ष मनाया गया। इस सम्मेलन में राज्य सह सचिव उपस्थित रहीं एवं महिलाओं को संबोधित किया तथा बारहवें तहसील सम्मेलन में चुनी गई कमेटी को बधाई दी। करण का सम्मेलन देवी यादव द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में महिलाओं द्वारा क्रांतिकारी गीत प्रस्तुति किया गया।

ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव के लिए बूथ केंद्र पर महिलाएं संगठित होकर अपनी कमर कसें - आभा जैन

भाजपा महिला मोर्चा ने मंडल स्तर पर तय किए प्रभारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड ।भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की आवश्यक संगठनात्मक बैठक मोर्चा की जिला महामंत्री आरती पाठक के निवास स्थान पर जिला कार्यालय प्रभारी एडवोकेट आर.बी .सिंह बघेल के मुख्य अतिथि एवं मोर्चा की जिला अध्यक्ष आभा जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें ग्राम पंचायत से लेकर के नगरीय निकाय चुनाव में महिला मोर्चा की अहम भूमिका हो तथा आगामी संगठनात्मक कार्यों पर विचार विमर्श किया गया द्य

भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी एडवोकेट आर बी सिंह बघेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने सर्व समाज की मातृशक्ति के लिए अनेकों योजनाएं संचालित की हैं इन योजनाओं को जिले के प्रत्येक बूथ केंद्र पर मोर्चा की कार्यकर्ता पहुंचा कर भाजपा की जमीनी ताकत को मजबूत करें द्य

भाजपा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा की जिला आभा जैन ने मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश नेतृत्व के निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को 8 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं, 3 जून को महिला मोर्चा की कार्यकर्ता प्रत्येक मंडल स्तर पर

महिलाओं के बीच चौपाल लगाकर सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए योजनाओं का प्रचार प्रसार करेंगे ताकि गरीब से गरीब महिलाओं की योजना उन तक पहुंच सके इसके लिए हमारी बहने योजना को तैयार कराने में अपना योगदान दें द्य

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा महिला मोर्चा की अहम भूमिका हो जिसके लिए हमें प्रत्येक नगर पालिका और नगर परिषदों में भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी जीत कर सेवा भाव का संकल्प करें इसके लिए हमें पूरी ताकत के साथ सर्व समाज की मातृशक्ति को उनके घर घर जाकर महिला मतदाताओं के बीच भाजपा की विचारधारा सत्ता और संगठन की सेवा और समर्पण के साथ साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में बताएं और अधिक से अधिक मातृशक्ति को मतदान करने के लिए जागृत करें ताकि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी चुनाव जीतकर प्रदेश की शिवराज सरकार को मजबूत करें और विकास को आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम करें ।

बैठक का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों एवं मातृशक्ति ने भारतीय जनसंघ के प्रेरणा स्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया । बैठक का संचालन जिला महामंत्री आरती पाठक एवं आभार व्यक्त जिला मंत्री सुमन गुप्ता द्वारा किया गया द्य बैठक में बबली तोमर, गीता राजावत, प्रतिभा सोनी, विनीता सरोज जैन सुमन गुप्ता नीलम भदौरिया विनोदी श्रीवास ज्योति बोहरे, रेखा अग्रवाल, प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित उपस्थित थीं द्य

शहर की सुरक्षा में आगे आए व्यापारी, समाजसेवी व जनप्रतिनिधि

अनेकों स्थानों पर लगवाए गए सीसीटीव्ही कैमरे व ट्रैफिक सिग्नल में दिया पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव ने योगदान

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-अपराधों की रोकथाम और समय रहते किए जाने वाले अपराध पर नियंत्रण करते हुए आरोपी को शीघ्र पकड़ा जाए इसे लेकर कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल के द्वारा आमजन से सहयोग से सुरक्षा की अपील लगातार की जा रही है। जिसे देखते हुए शहर की सुरक्षा में शहर के ही व्यापारी, समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि आगे आए और सभी ने अपनी-अपनी ओर से शहर के विभिन्न स्थानों पर लगने वाले सीसीटीवी कैमरों, ट्रैफिक सिग्नल आदि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऐसे सेवाभाविकों को कलेक्टर-एसपी के द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में आमंत्रित करते हुए उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान भी किया गया।

आगे आए समाजसेवी, व्यापारी व जनप्रतिनिधि: जब शहर सुरक्षा की बात हो तो सबसे पहले वही लोग आगे आते है जो विभिन्न क्षेत्रों में जनहित के कार्यों को आगे आकर करते है। इनमें सबसे आगे समाजसेवी संस्था के पदाधिकारी, व्यापारी एवं जनप्रतिनिधिगण शामिल है। शहर की सुरक्षा को लेकर समाजसेवी अमन गोयल के साथ-साथ व्यापारी वीरेन्द्र कुमार जैन पत्ते वाले, जनप्रतिनिधि में पूर्व विधायक महेन्द्र यादव विधानसभा कोलारस सहित अन्य सेवाभावी लोग शामिल रहे। इन सभी के द्वारा शहर में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर अपनी ओर से सेवा कार्य में योगदान देकर सीसीटीव्ही कैमरे लगवाए गए। इनमें सर्वाधिक रूप से पूर्व विधायक महेन्द्र यादव के द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में 128 कैमरों एवं 1 महीने की रिकॉर्डिंग छमता वाला सिस्टम,कैमरा एवं अन्य उपकरणों की सौगात देकर शहर सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया गया है। इन कैमरों से अधिकांशतः शहर का प्रत्येक कोना कवर होगा और होने वाले अपराध अथवा अपराधी को भी पुलिस के द्वारा समय रहते पकड़ा जा सकेगा।

शहर के हरेक कोने पर लगाए जाऐंगें सीसीटीव्ही कैमरे, लगेंगें ट्रैफिक सिग्नल: शहर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल की पहल पर विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि आगे आए है। इन सभी के योगदान से शहर के सभी कोनों में सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जाऐंगें।

युवा सूबेदार ने अकेले शुरू किया था बाल श्रमिको के लिए अभियान, अब जुड़े 4 हजार से अधिक लोग

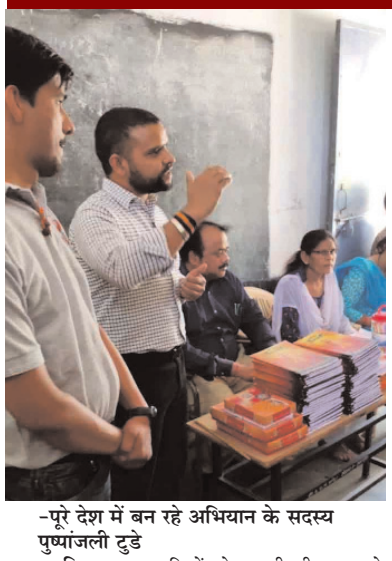

-पूरे देश में बन रहे अभियान के सदस्य
पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। बाल श्रमिकों को मजदूरी की कुप्रथा से मुक्त कराकर पढ़ाई के साथ मुख्य धारा में लाने के लिए शुरू किया गया पुलिस के एक सूबेदार का प्रयास अब दूसरों को भी प्रभावित कर रहा है।अकेले शुरूआत के बाद

अब यह युवाओं का एक ग्रुप बन गया है, जिसमें तीन हजार से अधिक युवा शामिल हैं। यह युवा न सिर्फ ग्वालियर में बल्कि आसपास के गांव, कस्बे और देश के दूसरे हिस्सों में जहां रह रहे हैं, वहीं बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए काम कर रहे हैं। खास बात यह है कि युवाओं के समूह में ज्यादातर उच्च शिक्षित और अच्छे खासे पदों पर तैनात युवा शामिल हैं जो हर महीने अपने वेतन से थोड़ी सी बचत करके बाल श्रमिकों के भले के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। आपस में कनैक्ट रहने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और सूचनाओं का आदान प्रदान भी इसी के माध्यम से कर रहे हैं ताकि किसी को अगर कहीं भी किसी बच्चे की सूचना मिले तो संबंधित क्षेत्र में काम कर रहे वालंटियर तक तुरंत जानकारी पहुंच सके।

ऐसे मिली प्रेरणा: एक साल पहले चुनाव के समय ड्यूटी के समय छोटे बच्चों को ढाबों पर काम करते देखने के बाद सूबेदार अक्षुण्ण बोहरे ने इनके लिए अपने स्तर पर कुछ करने का विचार किया। इसके बाद अपने वरिष्ठ अधिकारी और श्रम विभाग के अधिकारियों से संपर्क करके बच्चों को स्कूल में एडमिशन करवा दिया। फिर इस काम में रुचि और बढऩे पर ग्वालियर के अलावा डबरा,

मोहना,भितरवार, चीनोर, मुरार क्षेत्र में घूमकर ईंट भट्ठों, ढाबे सहित अन्य जगहों पर काम करने वाले परिवारों के बीच पहुंचकर बच्चों से काम कराने की बजाय उनको स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करना शुरू कर दिया।

सोशल मीडिया को जागरुकता का माध्यम-: सूबेदार ने बच्चों को श्रम से बचाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और वाट्सएप को माध्यम बनाकर जागरुकता मैसेज भेजने शुरू कर दिया। इसके साथ ही यह जीवन दूसरों के लिए के नाम से अभियान शुरू किया। इस अभियान से अब तक 07 हजार लोग जुड़ चुके हैं।

ऐसे समझें बच्चों के अधिकार: 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कारखानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, होटलों, फैक्ट्रियों, ढाबों, दिहाड़ी मजदूर एवं घरेलू नौकरों के रूप में काम कराना बाल श्रम के अंतर्गत आता है। कम उम्र के बच्चों से काम कराना चाइल्ड लेबर (निषेध एवं विनियमन) एक्ट 1986 के अनुसार दण्डनीय है। किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) बाल अधिनियम 2000 के अनुसार बच्चों को मजदूरी के लिए विवश करने पर कठोर सजा का प्रावधान है।

पत्रकारों की अपेक्षाओं को पूरा करने के हर संभव प्रयास किए जायेंगे : श्री भारत सिंह कुशवाह

मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के 30वे स्थापना दिवस समारोह पर प्रांतीय अधिवेशन एवं पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि पत्रकारगणों की सरकार से जो अपेक्षाएँ हैं, उन्हें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के ध्यान में लाकर पूरा कराने के हर संभव प्रयास किए जायेंगे। श्री कुशवाह मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के 30वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ग्वालियर में आयोजित हुए प्रांतीय अधिवेशन एवं पत्रकार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की।

यहाँ बाल भवन में आयोजित हुए मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के प्रांतीय अधिवेशन में लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी, विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, साडा के पूर्व अध्यक्ष श्री जयसिंह कुशवाह, अपर संचालक जनसंपर्क श्री जी एस मौर्य, मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र माथुर व संस्थापक महासचिव श्री राजेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुरेश सम्राट व प्रेस क्लब के पदाधिकारी श्री सुरेश शर्मा मंचासीन थे। कार्यक्रम में प्रदेश के 23 जिलों से आए मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने भाग लिया।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश सरकार पत्रकारों के कल्याण के लिये कटिबद्ध है। सरकार ने पत्रकारों को दी जाने वाली श्रृद्धा निधि के लिये आयु सीमा घटाकर 62 वर्ष से 60 वर्ष कर दी है। कोरोना काल में जिन पत्रकारगणों को हमने खोया है, उनके परिजनों को भी सरकार ने हर संभव आर्थिक मदद दी है। श्री कुशवाह ने कहा कि पत्रकार विपरीत परिस्थिति में भी सटीक जानकारी जनता तक पहुँचाते हैं। कोरोना संकट के समय भी मीडिया ने इसे साबित करके दिखाया। पत्रकारों के हितों का ध्यान रखना सरकार के साथ समाज की भी जिम्मेदारी है। प्रदेश सरकार इसका बखूबी ढंग से निर्वहन कर रही है।

सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि पत्रकार शब्द अपने आप में संघर्ष का पर्याय है। पत्रकार अपनों से, दूसरों से व खुद से संघर्ष कर अपने दायित्व का निर्वहन करता है। कोरोना काल में जब सारे काम बंद हो गए थे ऐसे विपरीत हालात में भी मीडिया का काम जारी रहा।

लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि पत्रकारों द्वारा लिखी गई बात पर जनता विश्वास करती है। इसलिए पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वह सच्चाई का पता लगाने के बाद ही अपनी खबर लिखें, जिससे जनता का भरोसा न टूटे।

विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि पत्रकारगण सरकार एवं जनता के बीच सेतु व सामंजस्य का कार्य करते हैं। इसलिए इनकी जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

साडा के पूर्व अध्यक्ष श्री जयसिंह कुशवाह ने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पत्रकारों के कल्याण के लिये कई काम किए हैं। उम्मीद है यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

अपर संचालक जनसंपर्क श्री जी एस मौर्य ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान में जनसंपर्क विभाग हर संभव सहयोग के लिये तत्पर है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि पत्रकारगण भी जनहित से जु?ी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में हमेशा की तरह सहयोग करते रहेंगे। कार्यक्रम में डॉ. सुरेश सम्राट, श्री सुरेश डण्डौतिया व श्री सुरेश शर्मा सहित अन्य पत्रकारों ने भी विचार व्यक्त किए।

आरंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में अतिथयों द्वारा प्रदेश भर के पत्रकारों को सम्मानित किया गया। स्वागत उदबोधन श्री राजेश शर्मा ने दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री राज दुबे ने किया।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता जागरूकता अभियान में सहयोग के लिए बनेंगे केम्पस एम्बेसडर

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बंसत प्रताप सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन-2022 के लिये मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने, मतदान की अपील तथा आयोग द्वारा किये गये नवाचारों की जानकारी देने के लिये ÷मतदाता जागरूकता अभियान÷ प्रारंभ करें। मतदाताओं को प्रेरित/जागरूक करने के लिये स्थानीय महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों से कुछ विद्यार्थियों को, जो कि नेतृत्व प्रदान कर सकते हैं, को केम्पस एम्बेसडर नियुक्त किया जाये।

केम्पस एम्बेसडर का चयन

केम्पस एम्बेसडर का चयन जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनकी निष्पक्ष, स्वच्छ एवं गैर राजनैतिक छवि को चिन्हित कर किया जाये। केम्पस एम्बेसडर का चयन महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों के प्राचार्य, उप कुलपति द्वारा प्रदान की गई सूची के आधार पर किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी अपने स्तर पर एन.सी.सी. / एन.एस.एस. के सहयोग से भी नियुक्ति कर सकते हैं। केम्पस एम्बेसडर का चयन केवल एक शैक्षणिक सत्र के लिए किया जायेगा। सह-शिक्षा महाविद्यालयों में 2 केम्पस एम्बेसडर (एक छात्र एवं एक छात्रा) का चयन किया जायेगा। केम्पस एम्बेसडर की सम्बद्धता किसी भी राजनैतिक दल या उनकी संलग्नता किसी राजनैतिक गतिविधि में नहीं होनी चाहिए। केम्पस एम्बेसडर के परिवार का संबंध किसी भी राजनैतिक दल या राजनैतिक गतिविधि से नहीं होना चाहिए। केम्पस एम्बेसडर दायित्वपूर्ण व्यवहार करें एवं किसी भी तरह की अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त न हों। इस संबंध में संस्था प्रमुख केम्पस एम्बेसडर से एक घोषणा-पत्र प्राप्त करेंगे। केम्पस एम्बेसडर के विरुद्ध आचरण एवं व्यवहार संबंधी किसी भी तरह की शिकायत प्राप्त होने की स्थिति में संस्था प्रमुख तत्काल जाँच कर उपयुक्त कार्यवाही करेंगे। प्रत्येक केम्पस एम्बेसडर का पुलिस सत्यापन जिला प्रशासन द्वारा किया जाना अनिवार्य होगा।

भूमिका एवं कर्तव्य : केम्पस एम्बेसडर मतदाताओं को मतदान की प्रक्रिया तिथियों तथा आयोग द्वारा किये गये विभिन्न नवाचारों आदि की जानकारी देंगे। स्कॉउट-गाईड, राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्), राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं अशासकीय संगठनों (ह्त्ह्न) के साथ समन्वय कर मतदाता जागरूकता में उनका सहयोग प्राप्त करेंगे। मतदाता जागरूकता अभियान (स्व्ह्स्व) की गतिविधियों के संचालन के लिये सक्रिय सदस्यों का एक दल बनाकर मतदाताओं को जागरूक करेंगे।

केम्पस एम्बेसडर का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के साथ समन्वय

जिला निर्वाचन अधिकारी केम्पस एम्बेसडर की नियुक्ति के पश्चात उन्हें उनकी भूमिका, दायित्वों, उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों, गतिविधियों, लक्ष्यों, संभावित उपलब्धियों तथा कार्य योजनाओं से अवगत कराएंगे तथा उन्हें संक्षिप्त प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी केम्पस एम्बेसडर को मतदाता जागरूकता अभियान कार्य के लिये यथायोग्य सामग्री, मार्गदर्शन एवं सहयोग देंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी समय-समय पर सम्पन्न की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का आंकलन करेंगे एवं प्रतिवेदन प्राप्त करेंगे। स्व्ह्स्व की गतिविधियों के लिए नियुक्त किये गये नोडल अधिकारी समय-समय पर प्रतिवेदन (फोटोग्राफ्स सहित) आयोग को भेजेंगे। जिला स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले केम्पस एम्बेसडर को चिन्हित कर उनके नाम की अनुशंसा की जायेगी तथा राष्ट्रीय पर्व पर आयोजित समारोह में प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया आज ग्वालियर आयेंगे

ग्वालियर। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 30 मई को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे। श्री सिंधिया इस दिन प्रातः लगभग 9.25 बजे शताब्दी एक्सप्रेस से ग्वालियर स्टेशन पहुँचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया प्रातः 10 बजे कलेक्ट्रेट पहुँचकर पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। श्री सिंधिया दोपहर 12.40 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पहुँचकर विमान द्वारा नई दिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगे।

भाजपा की एक कामकाजी बैठक संपन्न

ग्वालियर । भारतीय जनता पार्टी की एक कामकाजी बैठक आज भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन में आयोजित की गई। जिसमें मोदी सरकार के 8 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण कार्यक्रम के तहत 31 मई को किसान मोर्चा के तत्वावधान में मंडल स्तर एवं बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की पूर्व योजना एवं पूर्णयोजना जिला महामंत्री हरीश मेवाफरोश के नेतृत्व में तैयार की गई। बैठक में मंडल स्तर पर वृह्द कार्यक्रम एवं मतदान केंद्र स्तर पर कार्यक्रम होना सुनिश्चित किया गया। मंडल स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में वरिष्ठ नेता मार्गदर्शन हेतु उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर धर्मेंद्र राणा, राकेश खुरासिया, जय बाथम, राकेश कनकने आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी 30 मई को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत सुविधाएँ जारी करेंगे

ग्वालियर में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में कलेक्ट्रेट में होगा आयोजन

ग्वालियर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 30 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाओं को जारी करेंगे। प्रधानमंत्री स्कूल जाने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति हस्तांतरित करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन की पासबुक और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य कार्ड सौंपा जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रातः 10.30 बजे इस कार्यक्रम से जु?ेंगे। यहाँ ग्वालियर कलेक्ट्रेट में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम शुरू होगा। यह कार्यक्रम प्रातः 9 बजे शुरू होगा।

ज्ञात हो कोविड-19 महामारी की वजह से 11 मार्च 2020 से 28 फरवरी 2022 की अवधि के दौरान अपने माता-पिता दोनों या कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता या जीवित माता-पिता को खोने वाले बच्चों की सहायता करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा गत 29 मई 2021 को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य बच्चों के रहने एवं खाने की व्यवस्था करना, शिक्षा एवं छात्रवृत्ति के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाना, उनके आत्मनिर्भर अस्तित्व के लिए 23 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर उन्हें 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से लैस करके और स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से उनका कल्याण सुनिश्चित करते हुए उनकी व्यापक देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बच्चों के पंजीकरण के लिए pmcaresforchildren.in नाम के एक पोर्टल का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल एक एकल खिड़की प्रणाली है जो बच्चों के लिए अनुमोदन की प्रक्रिया तथा अन्य सभी सहायता की सुविधा प्रदान करती है।

भाजपा के 31 मई से 15 जून तक देशभर में होंगे कार्यक्रम आयोजित

मोदी सरकार के आठ साल पूर्ण होने पर भाजपा सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यक्रम 31 मई से 15 जून तक बूथ स्तर पर देशभर में होंगे आयोजित

ग्वालियर 29 मई। मोदी सरकार के आठ साल पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यक्रम 31 मई से 15 जून तक देशभर में बूथ स्तर तक आयोजित करेगी। उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए धर्मेंद्र राणा को संयोजक एवं मनोज तोमर, गिर्राज कंसान को सहसंयोजक बनाया है।

जिलाध्यक्ष श्री माखीजानी ने बताया कि 31 मई को भाजपा किसान मोर्चा के नेतृत्व में प्रातः 9:30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का शिमला से उद्बोधन को सभी मंडलों में लाभार्थियों को एकत्रित कर ब?ी स्क्रीन लगाकर, मंच बनाकर स्थानीय नेताओं का उद्बोधन तत्पश्चात् प्रधानमंत्री मोदी जी का उद्बोधन सामूहिक रूप से सुनना है। साथ ही बूथ के कार्यकर्ता भी बूथ स्तर पर सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री मोदी जी का उद्बोधन को प्रत्येक बूथ पर सुने। इस कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष राकेश खुरासिया रहेंगे।

03 जून को भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मंडल स्तर पर चैपाल लगाकर महिलाओं से संबंधित केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में चर्चा करेंगी। इस चैपाल चर्चा के प्रभारी जिला महामंत्री हरीश मेवाफरोश रहेंगे।

04 जून को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा अनुसूचित जाति बाहुल्य वार्ड एवं ग्राम पंचायत में केंद्र सरकार के आठ वर्ष की अनुसूचित वर्ग की उपलब्धियों को लेकर बस्ती संपर्क एवं चैपाल (जिले के अंतर्गत अनुसूचित जाति बाहुल्य नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद के वार्ड एवं 5 या अधिक मतदान केंद्रों वाली ग्राम पंचायत) लगाएंगे। इस कार्यक्रम के प्रभारी जिला महामंत्री विनोद शर्मा रहेंगे। 05 जून को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा बूथ स्तर पर जिले के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य बूथ्ञ्वार्ड्ञ्ग्राम पंचायत पर खाटला बैठक आयोजित होगी तथा अनुसूचित जन जाति छात्रावासों में संपर्क किया जाएगा। इस बैठक में प्रभारी के रूप में जिला उपाध्यक्ष केशव मांझी उपस्थित रहेंगे। 06 जून को भाजपा पिछ?ा वर्ग मोर्चा द्वारा मंडल स्तर एवं जिला केंद्र पर जल स्त्रोंतो एवं धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र पवैया रहेंगे। 07 जून को भाजपा झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ एवं स्वयंसेवी प्रकोष्ठ द्वारा मंडल स्तर पर सुबह 11 बजे स्वसहायता समूह सम्मेलन, प्रधानमंत्री आवास लाभर्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का चित्र भेंटकर सेल्फी लेना, भजन संध्या तथा हितग्रामी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष दीपक शर्मा रहेंगे। 08 जून को भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, व्यवसायिक प्रकोष्ठ, आर्थिक प्रकोष्ठ तथा व्यापारी प्रकोष्ठ द्वारा मंडल स्तर एवं जिला केंद्र पर विख्यात हस्तियों से व्यक्तिशः संपर्क व संवाद, लेख प्रकाशन तथा सोशल मीडिया में मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर विख्यात हस्तियों द्वारा वीडियो दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर भदौरिया रहेंगे। 09 जून को अंत्योदय प्रकोष्ठ एवं सोशल मीडिया आईटी द्वारा बूथ स्तर पर केंद्र सरकार की उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार हितग्राहियों के वीडियो बनाकर तथा सोशल मीडिया पर प्रभावशाली व्यक्तियों के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस कार्यक्रम के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष कनवर मंगलानी रहेंगे। 12 जून को भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा मंडल स्तर एवं जिला केंद्र पर वैक्सीनेशन सेंटर पर स्वस्थ्य कर्मियों एवं टीकाकरण करने व करवाने वालों का सम्मान किया जाएगा, जन औषधि केंद्र पर पहुंचकर महत्वकांक्षी योजनाओं के संबंध में बताएंगे, शासकीय अस्पताल में आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों से संपर्क किया जाएगा तथा कोविड के दौरान कोविड पी?ितों की सेवा करते अवसान हुए चिकित्सकों के परिवारों का सम्मान किया जाएगा।

बालिकाओं की शिक्षा से लेकर महिलाओं के स्वास्थ्य की चिंता शिवराज सरकार ने की है- मीना जोनवाल

ग्वालियर। केंद्र की मोदी सरकार एवं प्रदेश की शिवराज सरकार ने महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की है। बालिकाओं की शिक्षा से लेकर महिलाओं के स्वास्थ्य की चिंता शिवराज सरकार ने की है। अब पार्टी की प्रत्येक महिला कार्यकर्ता का यह फर्ज है कि वह पार्टी की नीतियों एवं योजनाओं से प्रत्येक महिलाओं को अवगत कराए, ताकि वह पार्टी की योजनाओं का लाभ उठा सकें। जिससे आने वाले सभी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी अपना परचम लहरा सकें। उक्त उद्गार आज महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष, ग्वालियर संभाग प्रभारी एवं उज्जैन की पूर्व महापौर श्रीमती मीना जोनवाल ने जिला कार्यालय मुखर्जी भवन पर आयोजित एक कामकाजी बैठक में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। श्रीमती जोनवाल ने कहा आगामी होने वाले चुनाव की तैयारी को लेकर महिला मोर्चा, ग्वालियर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। साथ ही मंडल कार्यकारिणी का गठन जल्द से जल्द करें। साथ ही जून में होने वाले संभागीय बुद्धिजीवी सम्मेलन की तैयारी को लेकर चर्चा की।

पंचायत आम निर्वाचन-2022

30 मई से लिये जाएंगे नाम निर्देशन-पत्र

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने जानकारी दी है कि त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन-2022 के लिये 30 मई से नाम निर्देशन-पत्र लिये जाएंगे। नाम निर्देशन-पत्र 6 जून 2022 तक जमा किये जाएंगे। सभी चरणों के लिये एक साथ नाम निर्देशन पत्र भरे जाएंगे। नाम निर्देशन-पत्र जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच पद के लिये जमा किये जाएंगे। नाम निर्देशन-पत्र ऑफलाइन ही जमा किये जाएंगे।

नाम निर्देशन-पत्र जिला एवं विकासखण्ड मुख्यालय और क्लस्टर में लिये जाएंगे

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों से 52 जिला मुख्यालय, 313 विकासखण्ड मुख्यालय और 2780 क्लस्टर (ग्राम पंचायतों के समूह) में नाम निर्देशन-पत्र रिटर्निंग/ सहायक रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा लिये जाएंगे। जिला पंचायत सदस्य के लिये जिला मुख्यालय, जनपद पंचायत सदस्य के लिये विकासखण्ड मुख्यालय और सरपंच एवं पंच के लिये विकाखण्ड मुख्यालय एवं क्लस्टर स्तर पर नाम निर्देशन-पत्र लिये जाएंगे। जिला पंचायत सदस्य के 875, जनपद पंचायत सदस्य के 6 हजार 771, सरपंच के 22 हजार 921 और पंच के 3 लाख 63 हजार 726 पदों के लिये नाम निर्देशन-पत्र लिये जाएंगे।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री सिंह ने जानकारी दी है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन प्राप्त करना, स्थानों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन एवं मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन 30 मई 2022 को होगा। नाम निर्देशन-पत्र 6 जून तक (अपरान्ह 3 बजे तक) लिये जाएंगे। नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा 7 जून को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापिस लेने की अंतिम तारीख 10 जून 2022 है। निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी 10 जून को ही होगा। प्रथम चरण का मतदान 25 जून, दूसरे चरण का एक जुलाई और तीसरे चरण का मतदान 8 जुलाई को होगा। मतदान का समय सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक रहेगा। मतगणना, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही की जाएगी।

पंच, सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य पद के लिये मतगणना का सारणीकरण तथा निर्वाचन परिणाम की घोषणा 14 जुलाई और जिला पंचायत सदस्य के लिये 15 जुलाई को की जाएगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478